बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व दशहरा.....

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 103 ता. 15 अक्टूबर 2021, शुक्रवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त खबरें

कई सालों से ड्रग्स ले रहे हैं आर्यन, नहीं दे सकते संदेह का लाभ; कोर्ट में बोली एनसीबी

मुम्बई। ड्रग्स केस में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की बेल अर्जी पर गुरुवार को भी सुनवाई जारी है। कुछ ही देर में इसे लेकर एनडीपीएस कोर्ट की ओर से फैसला सुनाया जा सकता है। इस बीच अदालत में सुनवाई के दौरान अडिशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने कहा है कि आर्यन खान ने पहली बार ड्रग्स का सेवन नहीं किया है बल्कि लंबे समय से लेते रहे हैं। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड और सूबतों के आधार पर ऐसा कहा जा सकता है कि वह बीते कई सालों से प्रतिबंधित पदार्थों का सेवन करते रहे हैं। अनिल सिंह ने कहा कि अरबाज खान के पास से ड्रग्स मिला है और पंचनामा में इसका साफतौर पर जिक्र किया गया है। यह आर्यन और अरबाज के सेवन के लिए ही था। यही नहीं आर्यन खान को संदेह का लाभ दिए जाने के तर्क पर जवाब देते हुए अनिल सिंह ने कहा, 'एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपियों को अलग करके नहीं देख सकते। भले ही आपके पास ड्रग्स मिला हो या फिर न मिला हो या मामूली मात्रा ही पाई गई हो। आप यह कहकर नहीं बच सकते कि आपके पास कुछ भी नहीं मिला था। हमने कमर्शियल क्वांटिटी में ड्रग्स एक आरोपी के पास से बरामद किया है। इस मामले में कुल 20 लोगों को अरेस्ट किया गया है। इस मामले में साजिश रची गई थी, ऐसे में आरोपियों को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता।' एनसीबी का पक्ष रखते हुए अनिल सिंह ने कहा कि फिलहाल मामले की जांच शुरूआती लेवल पर है। ऐसे में नहीं कहा जा सकता है कि कौन इसमें शामिल था और कौन नहीं। ट्रायल कोर्ट की ओर से ही इस बारे में कोई फैसला लिया जाएगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला

दुर्गा पूजा पर जगह-जगह छिड़े दंगे, मंदिरों में तोड़फोड़ के बाद 3 की मौत, 22 जिलों में पैरामिलिट्री फोर्स तैनात

ढाका। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अमानवीय व्यवहार एक बार फिर से खुलकर सामने आ गया है। यहां दुगार्पूजा के दौरान हिंदू मंदिरों में इस कदर तोड़फोड़ की गई कि दंगे भड़क गए। इस दंगे में तीन लोगों के मारे जाने और कई लोगों के घायल होने की खबर है। फिलहाल स्थिति को कंट्रोल करने के लिए बांग्लादेश सरकार ने 22 जिलों में अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती कर दी है। ताजा मामला है चांदपुर जिले की जहां चरमपंथियों की भीड़ ने फेसबुक पर अफवाह फैलने के बाद हिंदू मंदिर पर हमला कर दिया। इस हमले के दौरान कई राउंड फायरिंग भी की गई जिससे तीन हिंदुओं की मौत हो गई। इस घटना पर बांग्लादेश हिंदू यूनिटी काउंसिल ने ट्वीट करके कहा कि 13 अक्तूबर बांग्लादेश के इतिहास का निंदनीय दिन है। अष्टमी के दिन मूर्ति विसर्जन के मौके पर कई पूजा मंडपों में तोड़फोड़ की गई और हिंदुओं को चोट पहुंचाई गई। हिंदुओं को अब पूजा मंडपों की रखवाली करनी पड़ रही है। आज पूरी दुनिया चुप है। मां दुर्गा अपना आशीर्वाद सभी हिंदुओं पर बनाए रखें। दरिंदो को कभी माफी न करें। बताया जा रहा है कि बुधवार रात सोशल मीडिया पर हिंदुओं द्वारा कुरान का अपमान करते हुए कथित रूप से एक फेसबुक पोस्ट वायरल हो गई, जिसके बाद धार्मिक कट्टरपंथियों ने कई दुर्गा पंडालों में तोड़फोड़ की। इतना ही नहीं जब इनका

विरोध किया गया तो इन्होंने फायरिंग कर दी जिससे तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं कुरान के अपमान के दावों को नकारते हुए कमिला महानगर पूजा उद्जापोन कमेटी के महासचिव शिबू प्रसाद दत्ता ने बताया कि किसी ने कुरान की एक कॉपी नानुआ दिघीर पार में एक दुर्गा पूजा मंडप में सुबह-सुबह रख दी और उस वक्त गार्ड सो रहा था। इसके अलावा जिले के एक अधिकारी ने पुष्टि करते हुए कहा कि कुछ धार्मिक चरमपंथियों ने दुर्गा पंडालों में पहले कुरान की प्रति रख दी और कुछ तस्वीरें लीं, फिर भाग गए। कुछ घंटों के भीतर उन सभी ने फेसबुक का उपयोग करते हुए भड़काऊ तस्वीरों को वायरल कर दिया। उन्होंने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लाम के कुछ कार्यकताओं की भूमिका का संकेत दिया। चांदपुर के हाजीगंज, चट्टोग्राम के बशंखली, चपैनवाबगंज के शिबगंज और कॉक्स बाजार के पेकुआ में हिंदु मंदिरों पर बेरहमी से हमला किया गया और हिंदू भक्तों को पीटा गया।

मनीष हत्याकांड

पति की पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर मीनाक्षी ने उठाया सवाल

कानपुर। मनीष गुप्ता हत्याकांड के मामले में उनकी पत्नी मीनाक्षी ने ट्विटर पर पोस्ट कर जांच पर कई सवाल उठाए हैं। मनीष की पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि सुबूतों से खिलवाड़ किया जा रहा है। आखिर सीबीआई जांच कब होगी। मीनाक्षी ने जिस तरह से एसआईटी की जांच पर सवाल उठाए हैं वह बेहद गंभीर हैं। अब देखना होगा कि जिम्मेदार पुलिस अफसर इसको किस तरह से लेते हैं। मीनाक्षी ने ट्विटर पर मनीष की फोटो शेयर करते हुए उसके कान का हिस्सा मार्क किया है। साथ में पोस्टमार्टम रिपोर्ट का पेज पोस्ट कर लिखा कि फोटो में चोट के निशान हैं। तो फिर पोस्टमार्टम रिपोर्ट में क्यों नहीं हैं। जांच संदेहास्पद है। आखिर सीबीआई जांच कब होगी। मीनाक्षी का कहना है कि गोरखपुर पुलिस पर किसी तरह का भरोसा नहीं था। इसलिए उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की थी। मगर दो सप्ताह से अधिक का समय बीत गया है लेकिन सीबीआई जांच के बारे में कुछ भी पता नहीं लग रहा है। आखिर सीबीआई जांच में देरी क्यों की जा रही है। उनका कहना है कि वर्तमान में जांच कम सुबूतों से खिलवाड़ अधिक किया जा रहा है। मीनाक्षी लगातार जांच पर सवाल उठा रही हैं। खासकर पुलिस की जांच को लेकर उनके भीतर शुरू से ही अविश्वास रहा है। इसलिए उन्होंने कानपुर पुलिस से जांच कराने की मांग की थी। हालांकि वह सीबीआई जांच ही चाहती हैं। मीनाक्षी का कहना है कि जब तक सीबीआई जांच नहीं करेगी तब तक न्याय मिलना बहुत मुश्किल है।

पाकिस्तान पर फिर कर सकते हैं सर्जिकल स्ट्राइक

कश्मीर में बढ़ती हत्याओं पर अमित शाह ने पड़ोसी मुल्क को चेताया

नई दिल्ली। सीमा पर अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे पाकिस्तान को अब केंद्रीय गृहमंत्री ने खुली चेतावनी दे दी है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि अगर पाकिस्तान ने उल्लंघन बंद नहीं किया और कश्मीर में आम नागरिकों की हत्याओं का खेल बंद नहीं किया तो उसपर फिर से सर्जिकल स्ट्राइक किया जा सकता है। पाकिस्तान को सर्जिकल स्ट्राइक की याद दिलाते हुए अमित शाह ने कहा, ' सर्जिकल स्ट्राइक से साबित हो चुका है कि हम हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर आप उल्लंघन करेंगे तो और भी सर्जिकल स्ट्राइक होंगे।' यहां आपको बता दें कि पाकिस्तान पोषित आतंकवाद जम्मू-कश्मीर में फिर से जड़े जमाने की कोशिश कर रहा है। हाल के दिनों में कायर आतंकवादियों ने कई घाटी में कई निर्दोष लोगों की जान ले ली। इसके

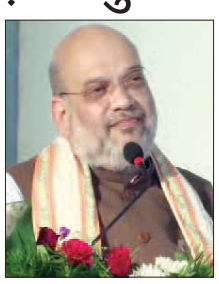

अलावा आर्तकियों ने सेना पर भी हमला किया था। पड़ोसी मुल्क की शह पर आर्तकियों के इस खूनी खेल के बाद इस वक्त पूरा देश उबल रहा है। कई लोग इन आतंकवादियों पर करारा प्रहार करने की मांग कर रहे हैं। घाटी में देश की सेना ने आतंकवादियों को जबरदस्त चोट भी दी है। सेना ने घेर-घेर कर आर्तकियों को मौत की नींद सुलाने का अभियान चला रखा है। दिल्ली और अन्य राज्यों से कुछ आर्तकियों को जिंदा भी पकड़ा गया है जिसके बाद इन आतंकवादियों के कबूलनामे से पाकिस्तान की पोल-पट्टी पूरी दुनिया में खुल गई है। गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गोवा में मौजूद थे। यहां उन्होंने साउथ गोवा के धरबोन्द्रा गांव में नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी की आधारशिला रखते हुए पाकिस्तान को भी कड़े लहजे में चेताया है। अमित शाह ने कहा, 'पीएम मोदी और पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर की देखरेख में किया गया सर्जिकल स्ट्राइक एक महत्वपूर्ण कदम था। हमने यह मैसेज भेद दिया कि कोई भी भारतीय सीमाओं को कोई भी परेशान नहीं कर सकता है। एक समय था बातचीत करने का लेकिन अब समय है प्रतिक्रिया का।' आपको याद दिला दें कि उरी, पठानकोट और गुरदासपुर में हुए आतंकी हमलों के बाद सितंबर, 2016 में भारत ने पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक किया था।

रतलाम में पाइप गोदाम में भीषण लगी आग

पेट्रोल पंप करीब होने से आसपास के घर खाली कराए, 5 किमी दूर से दिखता रहा धुआं और लपटें

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम में गुरुवार सुबह पाइप गोदाम में भीषण आग लग गई। दो घंटे की मशक्कत के बाद 7-8 दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। प्लास्टिक पाइप का यह गोदाम मोहन नगर क्षेत्र में रिहायशी इलाके और एक पेट्रोल पंप के पास था। एहतियातन गोदाम के आसपास के कुछ घरों को खाली करा लिया गया था। राहत की बात ये है कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। मोहन नगर के कुछ घर भी आग और धुएं से प्रभावित हुए हैं। आग इतनी भीषण थी कि इसकी लपटें और धुआं शहर में 5 किलोमीटर दूर तक दिखाई देते रहे। यह गोदाम पगारिया ट्रेडर्स का है, जिसमें कृषि उपयोग के ढ्श्उ पाइप और केबल रखी हुई थीं। गोदाम के पास मौजूद पेट्रोल पंप और रिहायशी इलाके तक आग न फैले, इसके लिए पुलिस प्रशासन और दमकलकर्मी दो घंटे तक आग

बुझाने में जुटे रहे। आग बुझाने और इलाके से लोगों को बाहर निकालने के दौरान डीडी नगर थाना प्रभारी अशोक निनामा का हाथ झुलस गया। इसके बाद उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। रिहायशी इलाका होने की वजह से आग बुझाने में दमकल टीम को खासी मशक्कत करनी पड़ी। अधिकारियों के मुताबिक, आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। रतलाम एसडीएम अभिषेक गहलोत ने बताया कि रिहाइशी इलाके के पास गोदाम की अनुमति नहीं है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

कृषि कानून: भाजपा सांसद वरुण गांधी ने फिर किया किसानों का समर्थन

शेयर किया पूर्व पीएम अटल जी का वीडियो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी ने कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों का एक बार फिर समर्थन किया है। गुरुवार को उन्होंने किसानों के समर्थन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का एक वीडियो अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किया। इसके साथ ही उन्होंने इशारों-इशारों में बता दिया है कि सरकार किसानों के आंदोलन का दमन कर रही है और ऐसे में वे अपने फर्ज को ध्यान में रखते हुए किसानों के साथ खड़े हैं। गुरुवार को पोस्ट 41 सेकेंड के वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, एक बड़े दिल के नेता द्वारा कही गई बुद्धिमानी की बात। वीडियो तब का है जब अटल बिहारी वाजपेयी विपक्ष में थे। वीडियो में अटल बिहारी वाजपेयी किसी जनसभा में सरकार को चेतावनी देते हुए कहते हैं, "मैं इन किसानों को डराने वाली सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं। हमें डराने की कोशिश ना करो। ये किसान डरने वाले नहीं हैं। हम किसानों के आंदोलन का उपयोग राजनीति के लिए नहीं करना चाहते हैं। हम उनकी जायज मांगों का समर्थन करते हैं। और अगर सरकार हमें डराने की कोशिश करती है, कानून का दुरुपयोग करती है या किसानों के शांतिपूर्ण आंदोलन की उपेक्षा करती है तो हम भी उनके समर्थन में उनके आंदोलन में शामिल हो जाएंगे।"वरुण गांधी और भाजपा में इशारों-इशारों में रस्साकशी चल रही है। वरुण गांधी लगातार किसानों के हक में आवाज बुलंद करते रहे हैं। चाहे गन्ना के समर्थन मूल्य को बढ़ाने की बात हो या किसानों के आंदोलन को आगे बढ़ाने की, वे आगे बढ़कर लगातार किसानों का समर्थन कर रहे हैं। लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के बाद भी उन्होंने ट्विटर पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा था कि हिंसा के इन आरोपियों को तत्काल सजा मिलनी चाहिए। माना जा रहा है कि भाजपा पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर बयानबाजी करने के कारण उन्हें भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी कमेटी से भी हटा दिया गया। चर्चा तो इस बात तक की भी हो चुकी है कि वरुण गांधी और मेनका भाजपा छोड़ सकते हैं। हालांकि, भाजपा और वरुण गांधी दोनों ने ही इस बात को बेबुनियाद अफवाह बताते हुए खारिज कर दिया है, लेकिन जानकारों का मानना है कि वरुण गांधी, मेनका गांधी और भाजपा के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है और आने वाले दिनों में इसका कुछ अलग परिणाम दिखाई पड सकता है।

ताइवान में बड़ा हादसा: इमारत में लगी भीषण आग, 46 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दक्षिणी ताइवान में 13 मंजिला एक आवासीय इमारत में आग लगने से 46 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग झुलस गए हैं। काऊशुंग शहर के दमकल विभाग के अधिकारियों ने एक बयान में बताया कि आग तड़के करीब तीन बजे लगी। 55 लोगों को अस्पताल ले जाया गया था, जिनमें से 14 लोगों ने दम तोड़ दिया। हालांकि, ताइवान में मौत के आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि अस्पताल में ही की जाती है। दमकल विभाग के प्रमुख ने पत्रकारों को बताया कि 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी और उनके शव मुर्दाघर भेजे गए हैं।

दमकल कर्मी तलाश एवं बचाव अभियान में जुटे हैं। दमकल वभाग के बयान के अनुसार, आग बेहद भीषण थी और इमारत की कई मंजिलें आग में खाक हो गईं। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। चश्मदीदों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उन्होंने तड़के तीन बजे एक विस्फोट की आवाज सुनी थी।

छठ पर जारी है सियासत: गोपाल राय का केंद्र पर निशाना, कहा: अब तक क्यों नहीं जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली। दिल्ली में छठ पूजा पर चल रहे सियासी घमासान के बीच आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। गोपाल राय ने कहा कि केंद्र सरकार के निर्देश की वजह से छठ पूजा के सार्वजनिक आयोजन में कोविड दिशानिदेर्शों का पालन अनिवार्य हैं। देश में राष्ट्रीय आपदा अधिनियम लागू होने के कारण केंद्र सरकार के निर्देश पर ही राज्य सरकार सार्वजनिक छठ पूजा आयोजन में कोविड प्रोटोकॉल से छूट दे सकती है। गोपाल राय ने कहा कि पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण केंद्र सरकार की गाइडलाइन आई कि छठ पूजा नहीं

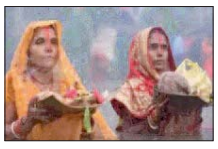

करवाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि निगम से भी भाजपा अब जा रही है, इसलिए छठ पूजा के बहाने दोबारा राजनीति चमकाने की कोशिश कर रही है। गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार को पत्र लिखा है कि छठ पूजा को लेकर गाइडलाइंस स्पष्ट की जाए। भाजपा को छठ पूजा की इतनी चिंता है तो आज तक गाइडलाइन जारी क्यों नहीं की। गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर सबसे पहले भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी। तब छठ पूजा नहीं होती थी। उसके बाद कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी, जिसमें 68 जगहों पर छठ पूजा शुरू हुई। आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद छठ पूजा स्थलों की संख्या बढ़ी है। आम आदमी पार्टी ने आखिरी बार 1068 जगहों पर पूजा करवाई है। पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण केंद्र सरकार की गाइडलाइन आई कि छठ पूजा नहीं करवाई जानी चाहिए। केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य विभाग और एक्सपर्ट की राय जारी की थी कि सबसे ज्यादा कोरोना वायरस पानी के कनेक्शन से फैलता है।

देवी दुर्गा का जिक्र कर राजनाथ सिंह ने की इंदिरा गांधी की तारीफ, कहा- युद्ध में भी किया था नेतृत्व

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जमकर तारीफ की है। शंघाई कॉपरेशन ऑर्गनाइजेशन के एक सेमिनार में बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने न सिर्फ सालों तक देश का नेतृत्व किया बल्कि युद्ध के समय में भी लीडरशिप प्रदान की। सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका पर बोलते हुए रक्षा मंत्री ने रानी लक्ष्मीबाई और पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल का भी जिक्र किया और कहा कि राष्ट्रीय विकास में महिला शक्ति की भूमिका को लेकर भारत का अनुभव सकारात्मक रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका पर बातचीत करना ठीक है, लेकिन सुरक्षा और राष्ट्र-निर्माण के सभी क्षेत्रों में उनके व्यापक योगदान को पहचाना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'देश की रक्षा और लोगों के अधिकारों के लिए इतिहास में महिलाओं के हथियार उठाने के अनेक उदाहरण हैं। रानी लक्ष्मीबाई उनमें सबसे प्रमुख हैं।' रक्षा मंत्री ने कहा, 'भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने न केवल वर्षों तक देश की कमान संभाली, बल्कि युद्ध के समय भी नेतृत्व किया। कुछ साल पहले प्रतिभा पाटिल भारत की राष्ट्रपति और भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर थीं।' इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहने के दौरान भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 1971 की जंग जीती थी और एक नया देश, बांग्लादेश बना था। सिंह ने कहा कि पालक

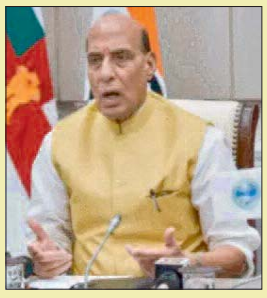

और रक्षक के तौर पर सदियों से महिलाएं भूमिका निभाती आ रही है। उन्होंने कहा, 'सरस्वती ज्ञान, बुद्धि और शिक्षा की देवी हैं तो मां दुर्गा रक्षा, शक्ति, विनाश और युद्ध की देवी हैं।' उन्होंने कहा कि भारत उन कुछ देशों में शामिल है जिन्होंने सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी के लिए जल्द पहल की और महिलाओं की भर्ती स्थायी कमीशन के रूप में सेना में होने लगी है। राजनाथ सिंह ने कहा, 'महिलाएं 100 साल से अधिक समय से भारतीय सैन्य नर्सिंग सेवा में गौरव के साथ सेवाएं दे रही हैं। भारतीय सेना में महिला अधिकारियों की भर्ती 1992 में शुरू हुई थी। अब सेना की अधिकतर शाखाओं में महिला अधिकारियों की भर्ती की जाने लगी है।' उन्होंने कहा कि अगले साल से महिलाएं राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगी।

सार समाचार

मुंबई में फुटपाथ पर सोने को लेकर दो लोगों में विवाद, एक ने दूसरे के चाकू मारकर की हत्या

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में फुटपाथ पर सोने की जगह को लेकर तीखी बहस के बाद एक व्यक्ति ने अपने 32 वर्षीय दोस्त की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घटना बुधवार को हुई। आरोपी रामू उर्फ सहजराम रामधर चौहान (40) को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ भिवंडी शहर थाने में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, अपने दोस्त राजेंद्र प्रसाद शांतिप्रसाद वर्मा के साथ फुटपाथ पर सोने की जगह के मुद्दे पर तीखी बहस के बाद, चौहान ने उस पर धारदार हथियार से वार किया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बाद में पीड़ित के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

ऑटो चालक ने पेश की ईमानदारी, यात्री के लौटाए 55 हजार; पुलिस ने किया सम्मानित

नागपुर। पुलिस ने उस ऑटो रिक्शा चालक को सम्मानित किया है कि जिसने महाराष्ट्र के नागपुर शहर में एक सवारी को उसका बैग वापस कर दिया था जिसमें 55 हजार रुपये थे। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि ऑटोरिक्शा चालक 44 वर्षीय गंजाम नामदेव नारनावरे को बुधवार को उसकी ईमानदारी के लिए तहसील पुलिस ने सम्मानित किया। पुलिस के अनुसार, रामनगर निवासी अनीता अतुल शेंडे (49) मंगलवार को गांधीबाग इतवारी बाजार जाने के लिए नारनावरे के ऑटोरिक्शा में बैठी थी। अधिकारी ने बताया कि ऑटोरिक्शा से उतरते समय, शेंडे ने अपना बैग वाहन में ही भूल गई जिसमें 55,000 रुपये थे और जब उन्हें पता चला कि वह बैग ऑटो में भूल गई है, तो उन्होंने तहसील थाने में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि नारनावरे ने गाड़ी में बैग देखा तो उसने सवारी का पता लगाने की कोशिश की और बाद में तहसील थाने जाकर बैग पुलिस को सौंप दिया। अधिकारी ने बताया किउसकी ईमानदारी से खुश होकर पुलिस ने नारनावरे को सम्मानित किया और सवारी ने उसे 5,000 रुपये उपहार के रूप में दिए।

दीपावली से पहले वाराणसी दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी, काशीवासियों को देंगे करोड़ों का सौगात

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में अब धीरे-धीरे चुनावी माहौल बनने लगा है। भाजपा भी अपने चुनावी तैयारियों को धार देने की कोशिश में है। इन सबके बीच खबर यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री का यह दौरा दिवाली के पहले हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिवाली से पहले अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों को करोड़ों की योजनाओं का तोहफा दे सकते हैं। बताया जा रहा है कि काशीवासियों को पांच हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की 32 परियोजनाओं की सौगात देंगे। जानकारी के मुताबिक 25 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह 11:00 बजे वाराणसी पहुंचेंगे। दिवाली से ठीक पहले वाराणसी दौरे पर प्रधानमंत्री ढाई घंटा रुक सकते हैं। यह भी कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी बाबतपुर एयरपोर्ट से सीधे कार्यक्रम स्थल पर जाएंगे जहां वह विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री वहां जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री का सिद्धार्थ नगर जाने का भी कार्यक्रम है। इस दौरान प्रधानमंत्री काशी वासियों को 32 परियोजनाओं का सौगात देंगे।

'अंग्रेजों से सावरकर ने मांगी होती माफी तो कोई न कोई पद मिल जाता', पौत्र बोले- गांधी को राष्ट्रपिता नहीं कहा जा सकता

नयी दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणी के बाद बयानबाजी शुरू हो गई। इसी बीच विनायक दामोदर सावरकर के पौत्र रंजीत सावरकर का बयान सामने आया। दरअसल, राजनाथ सिंह ने 'वीर सावरकर हु कुड हैव प्रीवेंटेड पार्टिशन' नामक पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में कहा था कि महात्मा गांधी के कहने पर वीर सावरकर ने अंग्रेजी शासन को दया याचिकाएं दी थीं। समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में रंजीत सावरकर ने कहा कि मेरे दादा ने सभी राजनीतिक बंदियों के लिए आम माफी मांगी थी। यदि उन्होंने वास्तव में अंग्रेजों से माफी मांगी होती तो उन्हें कोई न कोई पद दिया गया होता।

गांधी को लेकर क्या बोले रंजीत ?

इसी बीच रंजीत सावरकर ने महात्मा गांधी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जैसे व्यक्ति को राष्ट्रपिता नहीं कहा जा सकता क्योंकि देश के निर्माण में हजारों लोगों ने अपना योगदान दिया है, जिसका 5,000 साल से अधिक का इतिहास है।

वहीं उन्होंने संवाददाता द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि वीर सावरकर को राष्ट्रपिता कहा जाए ऐसी मांग कोई नहीं कर रहा है क्योंकि वीर सावरकर को यह अवधारणा खुद स्वीकार्य नहीं थी। आपको बता दें कि वीर सावरकर पर टिप्पणी करने के बाद राजनाथ सिंह विपक्षी नेताओं के निशाने पर आ गए। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा था कि वीर सावरकर की ओर से पहली दया याचिका साल 1911 में जेल जाने के 6 महीनों बाद दी गई थी और उस समय महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका में थे।

कोरोना में भी नहीं रुकने दिया विकास, किए 4000 करोड़ के उद्घाटन-शिलान्यासः जयराम ठाकुर

बंजार। (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने गुरुवार को बंजार विधानसभा क्षेत्र में विकास और महंगाई को लेकर विपक्ष से सवाल किए। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान हमारे सामने कई संकट और चुनौतियां थी। हमने एक ओर लोगों की जिंदगी बचाने में प्राथमिकता दी। दूसरी ओर विकास कार्यों की गति पर भी ब्रेक नहीं लगने दी।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने बंजार में भाजपा प्रत्याशी ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर के लिए चुनाव प्रचार किया। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ÷मैं कहीं जा नहीं सका फिर भी कोरोना काल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 42 विधानसभा क्षेत्रों में चार हजार करोड़ के उद्घाटन और शिलान्यास किए।÷

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ÷ कांग्रेस के लोग कहते हैं कि कुछ नहीं किया। बहुत सारी बातें करतें हैं, जैसे

पहले उनकी पीढ़ियां कोरोना का इलाज करती थीं। महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महंगाई को रोकने के लिए प्रत्यन कर रहे हैं। आने वाले समय में महंगाई पर पूरी तरह से लगाम लग जाएगी, लेकिन क्या कांग्रेस के कार्यकाल में कभी महंगाई नहीं थी। महंगाई हमेशा अस्थाई होती है।

कांग्रेस कह रही है कि परिवर्तन करो। जिस पार्टी का पूरे देश में कुछ नहीं बचा उसे परिवर्तन की जरूरत है मंडी को नहीं। अब तो कांग्रेस कार्यकर्ता भी कह रहे हैं कि जिस पार्टी का कहीं कुछ नहीं बचा वहां क्या करेंगे। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने एक बार फिर कांग्रेस स्टार प्रचारकों कन्हैया कुमार और नवजोत सिंह सिद्धू पर निशाना साधा। वहीं, उन्होंने कहा कि वीरभद्र सिंह के निधन के बाद उनकी पार्टी में उछलकूद मची है। लोकसभा का उपचुनाव हम भारी बहुमत से जीत रहे हैं। इसके साथ ही 2022 भी जीतेंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी प्रतिभा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मंडी संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी बार-बार यह कहती आ रही हैं कि मैंने उपचुनाव नहीं लड़ना था। हम इस मंच से कहना चाहते हैं कि हमें मजबूर नहीं, मजबूत सांसद चाहिए। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने पूछा कि कांग्रेस प्रदेश में इतने साल सत्ता में रहे। लोगों के मुफ्त इलाज के बारे में क्यों नहीं सोचा। हमने हिम केयर योजना के तहत एक लाख से ज्यादा लोगों का मुफ्त इलाज करवाया। साथ ही साथ उन्होंने सरकार की शगुन योजना की बात भी की। उन्होंने कहा कि बिस्तर पर लाइलाज बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए हमने सहारा योजना चलाई। इसमें हर महीने लोगों को तीन हजार रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं।

कोयला की कमी से जूझ रहे देश को उदित राज के सहारे राहत दिलाने की बात कांग्रेस नेता को गुजरी नागवार, पुलिस में कराई शिकायत

नई दिल्ली। देश में कोयले की कमी इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चित विषय है। कई राज्यों ने इसके चलते बिजली संकट गहराने की आशंका जताई है। दिल्ली, पंजाब, आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। इसमें जल्द से जल्द कोयले की कमी दूर करने की मांग की गई है। लेकिन अब इसको लेकर विवाद भी शुरू हो गया है। बीजेपी नेता एवं युवा मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संतोष रंजन राय ने बिजली संकट को लेकर उदित राज पर टिप्पणी कर दी जो कि उन्हें इस कदर नागवार गुजरी कि इसके खिलाफ कांग्रेस नेता ने शिकायत दर्ज करा दी है। जिसके संबंध में जानकारी देते हुए उदित राज ने खुद ही बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पर संतोष रंजन राय द्वारा जातिवादी और नस्लभेदी टिप्पणी की गयी है। उन्होंने इसके संबंध में पुलिस में शिकायत करते हुए कहा कि उक्त व्यक्ति द्वारा यह ट्वीट जाति व नस्ल को देखकर समाज में विभाजन करने एवं दंगा , हिंसा भड़कने की नीयत, डॉ उदित राज की बेइज्जती करने और उनकी हत्या करने के लिए उकसाने की नीयत से लिखा गया है। इसके साथ ही उन्होंने इससे संबंधित ट्विट का भी उल्लेख किया जिसमें कहा गया कि ÷सरकार ने कह दिया है कोयले कोई कमी नहीं है फिर भी अगर कहीं भी कोयला की कमी हो तो उदित राज का इंधन में उपयोग कर सकते हैं ।

बदला उत्तर प्रदेश में निवेश का महौल, योगी बोले- भारत की उभरती हुई अर्थव्यवस्था बना राज्य

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। अपने काम को लेकर वह लोगों के बीच जाने की कोशिश में हैं। अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में अपने कामकाज को लेकर वह लगातार जनता के बीच जा रहे हैं। बुधवार को वह अपने क्षेत्र गोरखपुर में थे जहां उन्होंने दावा किया कि विकास के पथ पर उत्तर प्रदेश लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश भारत की उभरती हुई अर्थव्यवस्था बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बयानजंगल कौड़िया में स्थित महंत अवैद्यनाथ महाविद्यालय का लोकार्पण करने के बाद अपने संबोधन में दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश बदल रहा है और अब यह देश की उभरती अर्थव्यवस्था है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र की 44 योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ ही उत्तर प्रदेश शीर्ष स्थान पर है।

योगी का दावा

अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दुनिया के लिए निवेश का सर्वश्रेष्ठ स्थान बन गया है और हम सभी को देश के श्रेष्ठ अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का नाम शामिल करने के लिए मिलकर काम करना होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महंत अवैद्यनाथ की 12 फुट ऊंची मूर्ति का अनावरण भी किया। योगी ने दावा किया कि सुरक्षा के माहौल के

मामले में उत्तर प्रदेश देश में सर्वश्रेष्ठ है। पिछले चार वर्षों के दौरान राज्य की 30,000 महिला पुलिसकर्मी इस बात की गारंटी दे रही हैं कि राज्य में महिलाएं और बेटियां सुरक्षित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने कोविड-19 महामारी को रोकने में सफलता पाई है।

विपक्ष पर निशाना

इसके साथ ही योगी ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। योगी ने कहा कि प्रदेश की पिछली सरकारों के कार्यकाल के दौरान सड़कें चौड़ी नहीं थीं, बिजली की आपूर्ति अच्छी नहीं थी, गरीबों को राशन नहीं मिल रहा था और महिलाओं को सुरक्षा की गारंटी नहीं थी। लेकिन जब अच्छी नियत से काम किया जाता है तो उसका परिणाम भी अच्छा होता है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि पूर्व में किसानों को अपनी उपज का सही दाम नहीं मिलता था। लेकिन मौजूदा सरकार ने अनेक क्रय केंद्र खोलकर किसानों का अनाज समर्थन मूल्य पर खरीदा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गोरखपुर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र बनता जा रहा है। एक महीने के अंदर मोदी द्वारा यहां के एम्स का उद्घाटन किया जाएगा। इसके अलावा गोरखपुर आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण भी किया जा रहा है।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा पंडाल में तोड़फोड़, 3 लोगों की हुई मौत, शुभेंदु अधिकारी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बांग्लादेश में दुर्गा पंडाल में हो रही हिंसा के मामलों की तरफ ध्यान देने का अनुरोध किया। उन्होंने पत्र में लिखा कि बांग्लादेश में कई दुर्गा पूजा पंडालों और विभिन्न मंदिरों में हो रही तोड़फोड़ के मद्देनजर सनातनी लोगों को राहत देने के लिए आवश्यक और तत्काल कदम उठाने के लिए समर्थन करें।

दरअसल, बांग्लादेश के दुर्गा पूजा पंडालों और मूर्तियों पर हमले की कई तस्वीरें सामने आई थीं। जिसके बाद भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुद्दे को प्रमुखता से उठाया।

क्या बोले शुभेंदु अधिकारी?

उन्होंने एक ट्वीट किया कि बांग्लादेश में कमिला जिले, कॉक्स बाजार और नोआखली में मंदिरों और दुर्गा पूजा पंडालों में तोड़फोड़ करना सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाई गई षड्यंत्रकारी अफवाहों के बीच निराशाजनक है। अपनी मर्जी से मां दुर्गा की मूर्तियों का अपमान करना सनातनी बंगाली समुदाय पर एक सुनियोजित हमला है।

पैरामिलिट्री फोर्स तैनात

आपको बता दें कि बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के दौरान कुछ उपद्रवियों ने कमिला मंदिर में तोड़फोड़ की। जिसके बाद दंगे भड़क गए। इस दंगे में 3 लोगों की मौत हो गई और कुछ लोग जख्मी हो गए। ऐसे में सुरक्षा विभाग ने 22 जिलों में पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की तैनाती की गई।

छह साल से अधिक सजा वाले अपराध के स्थानों पर फोरेंसिक दलों का दौरा अनिवार्य करना चाहती है सरकार: अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पणजी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार छह साल से अधिक कैद की सजा के प्रावधान वाले अपराध के स्थानों पर फोरेंसिक दलों के दौरे को अनिवार्य बनाना चाहती है। शाह ने यह भी कहा कि फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी है जिसकी वजह से दोष सिद्धि दर प्रभावित होती है और मामलों का ढेर लगता जाता है। वह दक्षिण गोवा के धारबांदोड़ा गांव में राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के शिलान्यास समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''हमें दुर्दांत अपराधियों के मन में यह डर पैदा करना होगा कि वे सलाखों के पीछे होंगे। इसके लिए आपको फोरेंसिक विज्ञान में प्रशिक्षित लोगों की जरूरत होगी जिनकी कमी है।''

शाह ने कहा कि उद्देश्य यह सुनिश्चित करने का है कि छह साल से अधिक कारावास वाले अपराध के स्थानों पर फोरेंसिक दल का दौरा करना अनिवार्य हो।

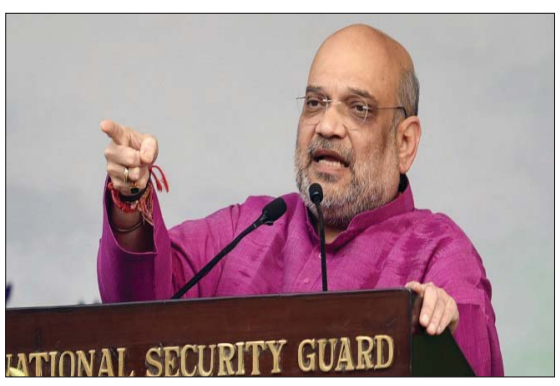

मंत्री ने कहा, ''इसके लिए देश के सभी 600 जिलों में हमारे दल होने चाहिए। सभी दलों में छोटी फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाएं होनी चाहिए और प्रत्येक पुलिस उपाधीक्षक स्तर पर एक मोबाइल फोरेंसिक वाहन होना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की बुनियादी संरचना के लिए 30,000 से 40,000 लोगों की जरूरत है। शाह ने कहा कि दुनिया के पहले फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की परिकल्पना गुजरात में उस समय की गयी थी जब नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री थे। उन्होंने कहा, ''मैं सम्मानित महसूस करता हूं कि मैं उस समय उनकी कैबिनेट में गृह मंत्री (गुजरात) था और आज जब एनएफएसयू की आधारशिला रखी जा रही है तो मैं गृह मंत्री हूं।

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। आज बजरंग नव दुर्गा पूजा समिति बटऊपुर हंण्डिया प्रयागराज के श्री दुर्गा पूजा पंडाल में डाक्टर प्रशांत विश्वास (बंगाली दादा रानो) सपरिवार पुजा अर्चना कर पंडाल में आए समस्त भक्तों को महा प्रसाद का वितरण करवाया साथ ही बजरंग नव दुर्गा पूजा समिति के पुरोहित शिव प्रकाश तिवारी ने महामंत्रों से क्षेत्र को भक्तिमय कर दिया जिससे बजरंग नव दुर्गा पूजा समिति के सदस्य एवं ग्रामीण जनो का विशेष सहयोग देखने को मिला आपको बता दें कि आज नवरात्री के सातवें दिन का समापन हुआ जिसमें रामचंद्र पाण्डेय,अजय कुमार पाण्डेय राकेश कुमार यादव, नागेन्द्र यादव, आलोक कुमार मिश्र पति अरूण शर्मा पवन कुमार, लक्ष्मी कान्त पाण्डेय, लवकुश पाण्डेय एवं ग्राम प्रधान पति निरज कुमार पाण्डेय समेत कई सम्मानित भक्त जन उपस्थित रहे।।

वीरभद्र सिंह देशभक्त थे , हमें यकीन है कि वो आज होते तो कन्हैया कुमार जैसे शख्स को हिमाचल की धरती पर पांव नहीं रखने देते: कश्यप

हमीरपुर (उप)। (एजेंसी)।

शिमला । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने शिमला में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि ये बहुत शर्म की बात है कि कुछ दिनों पहले कांग्रेस पार्टी ने उस शख्स को अपनी पार्टी में शामिल किया जो देश के टुकड़े टुकड़े % करने वालों का समर्थन करता है । कांग्रेस में ऐसे लोग शामिल है , जो अफजल गुरु जैसे आतंकी की बरसी मनाते हैं और देश के खिलाफ विरोधी नारे लगाते हैं । शायद देश के विरोधियों को शह देना कांग्रेस पार्टी की आदत बन गई है ।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की स्टार प्रचारक लिस्ट से स्थानीय नेता गायब है , पर भाजपा को अपने स्तर प्रचारकों पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा जब भारतीय जनता पार्टी ने एक फौजी को सम्मान देकर मंडी लोकसभा सीट से उतारा है तो उस फौजी के खिला फप्रचार के कि लिए कांग्रेस उसी कन्हैया कुमार को ले आई जो फौज और फौजियों को बलात्कारी कहता है । जो % हर घर से अफजल निकलेगा % जैसे नारे लगाने वालों को शह देता है ।

उस स्टार प्रचार के कदम हिमाचल पर पड़े और कांग्रेस के प्रत्याशी भी रंग बदलने लगे । मंडी में कन्हैया कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और अगले ही दिन प्रतिभा सिंह ने बयान दिया कि कारगिल का युद्ध कोई बड़ा युद्ध नहीं था । उन्हें याद नहीं कि उस लड़ाई में देश के 500 से ज्यादा जवानों ने शहादत दी । हिमाचल में 50 से ज्यादा माताओं में अपने बेटे , बहनों ने अपने भाई , बीवियों में अपने सुहाग को खोया।

उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस को कारिहल के हीरो के ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर के सामने अपनी हार निश्चित लग रही है तो उसने कन्हैया कुमार को अपना स्टार प्रचारक बना दिया । क्या कांग्रेस पार्टी को कोई और नहीं मिला था ? हमें लगता है कि एक सैनिक के खिलाफ कांग्रेस जानबूझकर उस शख्स को लाई जो सेना और सैनिकों के बिलदान का अपमान करता है ।

कश्यप ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को वीरभूमि कहा जाता है, यहां के सैकड़ों वीर जवानों ने देश के लिए शहादत दी है । हिमाचल के चार बेटों को परमवीर चक्र मिला है । देश को तबाह करने का ख्वाब देखने वाले कन्हैया कुमार को हिमाचल लाकर कांग्रेस ने इस वीरभूमि का अपमान किया है ।

उन्होंने कहा हिमाचल मेजर सोमनाथ शर्मा की धरती है , कैप्टन विक्रम बत्रा की धरती है

। आज वे शहीद स्वर्ग से देख रहे होंगे और उन्हें कितना दुख हो रहा होगा ।वीरभद्र सिंह जी देशभक्त थे , हमें यकीन है कि वो आज होते तो कन्हैया कुमार जैसे शख्स को हिमाचल की धरती पर पांव नहीं रखने देते ।

सार समाचार

दक्षिणी ताइवान में एक इमारत में आग लगने से 14 लोगों की मौत, 51 अन्य झुलसे

ताइपे। दक्षिणी ताइवान में 13 मंजिला एक इमारत में आग लगने से 14 लोगों की मौत हो गई और अन्य 51 लोग झुलस गए हैं। काऊशुंग शहर के दमकल विभाग के अधिकारियों ने एक बयान में बताया कि आग तड़के करीब तीन बजे लगी। दमकल कर्मी तलाश एवं बचाव अभियान में जुटे हैं। निचली मंजिलों की आग बुझा दी गई है। काऊशुंग शहर के दमकल विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि 14 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि, ताइवान में मौत के आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि अस्पताल में ही की जाती है। आग में झुलस गए 51 अन्य लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। दमकल वभाग के बयान के अनुसार, आग बेहद ''भीषण'' थी और इमारत की कई मंजिलें आग में खाक हो गईं। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। चश्मदीदों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उन्होंने तड़के तीन बजे एक विस्फोट की आवाज सुनी थी। आधिकारिक बयान के अनुसार, इमारत 40 साल पुरानी थी, जिसकी निचली मंजिल पर दुकानें और ऊपर अपार्टमेंट थे।

सड़ रहे हैं हजारों टन अफगानी अनारा

नई दिल्ली।अफगानिस्तान के लाल, रसीले अनारों का मौसम शुरू हो गया है लेकिन इस साल हजारों टन अनार पाकिस्तान की सीमा पर सड़ रहे हैं. सीमा पर अनारों के ट्रकों को रोक दिया गया है, जिस वजह से हजारों लोगों का रोजगार भी छिन गया है.सुर्ख लाल रंग के बीज और चमड़े जैसे लाल रंग के छिलके वाले अफगानी अनार को पूरी दुनिया में स्वास्थ्य के लिए उसके फायदों की वजह से जाना जाता है. यह दक्षिणी अफगानिस्तान की सबसे महत्वपूर्ण फसलों में से है. देश पर तालिबान के कब्जे के दो महीने पूरे होने को हैं जिसकी वजह से चल रहे कई संकटों के बीच ये अनार भी अब पक रहे हैं. कंधार में फ्रेश फ्रूट्स यूनियन के मुखिया हाजी नानी आगा कहते हैं, इस इलाके में ऐसे 15,000 कृषि मजदूर हैं जिनकी व्यापार के बंद होने की वजह से नौकरी चली गई है, और अब फल भी सड़ रहे हैं अनार की झाड़ियों की छांव में खरबूजों के आकार के इन अनारों से भरे बोरो और पेटियों को ट्रकों पर लादा जा रहा है. सख्त प्रतिबंध ये ट्रक जल्द ही स्पिन बोल्दाक में अफगानिस्तान-पाकिस्तान की सीमा की तरफ रवाना हो जाएंगे. लेकिन इनसे पहले गए कई ट्रकों की यात्रा वहां जा कर खत्म हो गई. पाकिस्तान ने अपने पड़ोसी देश से व्यापार को बढ़ावा देने के लिए आयातित फलों पर बिक्री कर हटा दिया है, लेकिन सीमा पार करने की कोशिश कर रहे आम अफगानियों के लिए प्रतिबंधों को और सख्त कर दिया है. पाकिस्तान अवैध रूप से लोगों के सीमा पार करने को रोकना चाह रहा है

अमेरिका और साउथ कोरिया मिलकर उत्तर कोरिया से वार्ता शुरू करने की कर रहे हैं तैयारी

सियोल। वाशिंगटन में सियोल के राजदूत ली सू-ह्यूक ने कहा कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका मिलकर उत्तर कोरिया के साथ बातचीत फिर से शुरू करने के लिए चर्चा कर रहे हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को एक संसदीय ऑडिट में, ली ने कहा कि देश उत्तर कोरिया को वार्ता की मेज पर वापस लाने के तरीकों पर भी चर्चा कर रहे हैं, जिसमें गरीब देश को मानवीय सहायता का प्रावधान भी शामिल हो सकता है। राजनयिक ने कहा, उत्तर कोरिया के साथ बातचीत के लिए अनुकूल स्थिति बनाने के लिए मानवीय सहायता के प्रावधान जैसे विश्वास बनाने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, दक्षिण कोरिया और अमेरिका कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण और शांति की स्थापना के लिए शांति प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन ने 1950-53 के युद्ध को औपचारिक रूप से समाप्त करने की घोषणा करने का प्रस्ताव दिया है। प्योंगयांग वर्तमान में अमेरिकी प्रस्तावों के प्रति अनुत्तरदायी बना हुआ है, और 2019 की शुरूआत से वाशिंगटन के साथ परमाणुकरण वार्ता से दूर रहा है। अमेरिका ने कहा है कि वह उत्तर कोरिया के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने का समर्थन करता है। बुधवार को अपने संबोधन में ली ने कहा कि अमेरिका, हालांकि, दक्षिण कोरिया को अपने सामरिक परमाणु हथियारों को फिर से तैनात करने पर विचार नहीं कर रहा है।

बेरुत में विरोध के दौरान हुई गोलीबारी, 2 की मौत

बेरुत। लेबनान की राजधानी बेरुत में हुई गोलीबारी में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना बेरुत बंदरगाह विस्फोटों के मामले की जांच कर रहे न्यायाधीश तारेक बिटर के खिलाफ हिजबुल्लाह और अमल मूवमेंट के समर्थकों के सुनियोजित विरोध के दौरान हुई। हिज्बुल्लाह और अमल मूवमेंट ने लेबनान के संसद सदस्य अली हसन खलील के खिलाफ बीटार द्वारा मंगलवार को जारी गिरफ्तारी वारंट की प्रतिक्रिया में विरोध प्रदर्शन शुरू किया, जब वह एक पूछताछ सत्र में भाग लेने में विफल रहे। लेबनानी सेना ने घोषणा की कि वह शूटरों को गिरफ्तार करने के लिए जस्टिस पैलेस के पास तायौनेह इलाके में तलाशी ले रही है। प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने आगे बढ़ने और सांप्रदायिक संघर्ष से बचने के लिए संघर्षों को रोकने का आग्रह किया।

यूएनएचसीआर ने अफगानिस्तान में हजारों लोगों को सहायता प्रदान की

काबुल। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) ने गुरुवार को घोषणा की है कि उसने पूरे अफगानिस्तान में हजारों जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान की है।

यूएनएचसीआर अफगानिस्तान ने एक ट्विटर पोस्ट में कहा कि बुधवार को यूएनएचसीआर ने कई सहायता एजेंसियों के सहयोग से काबुल, कंधार, कुंदुज और बल्ख प्रांतों में कुल 4,506 लोगों को आवश्यक घरेलू सामान मुहैया कराया।

इजरायल, सूडान सहयोग बढ़ाने पर सहमत

जेरूसलम (एजेंसी)।

इजरायल ने कहा कि दो सरकारी अधिकारियों ने द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में सूडान के न्याय मंत्री नसरदीन अब्दुलबारी से मुलाकात की।

दोनों मंत्रियों की ओर से जारी बयानों के अनुसार, अबू धाबी में दो अलग-अलग बैठकों में, अब्दुलबारी ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए क्रमशः इजरायल के क्षेत्रीय मामलों के मंत्री इसावी फ्रेज और उप विदेश मंत्री इदान रोल से मुलाकात की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अब्दुलबारी ने अपनी मुलाकात के दौरान फ्रीज को बताया कि सूडान और इजरायल के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक सहयोग आर्थिक संबंधों से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। एक बयान में कहा गया, हमें एक-दूसरे को जानना चाहिए और अपने लोगों के बीच संपर्कों को मजबूत करना चाहिए। एक अन्य बैठक में, अब्दुलबारी और तकनीकी प्रशिक्षण, शिक्षा और संस्कृति में सहयोग स्थापित करने पर सहमत हुए। इजरायल के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, वे अब्राहम समझौते के तहत दोनों देशों के बीच भविष्य के सहयोग पर सहमत हुए। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग में पारस्परिक हित है ताकि सभी देशों के युवाओं की मदद की जा सके जो अब्राहम समझौते का हिस्सा हैं। इजराइल और सूडान अक्टूबर 2020 में अपने संबंधों को सामान्य करने के लिए सहमत हुए थे। हालांकि अभी तक दोनों देशों के बीच आधिकारिक डील साइन नहीं हुई है।

अदानी पोर्ट्स के बैन से नाराज हुआ ईरान, बताया असंतुलित कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ईरान ने अदानी पोर्ट्स द्वारा ईरानी कंटेनर्स के आयात और निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के फैसले की आलोचना की है। ईरान ने इसे गैर-पेशेवर और असंतुलित कदम बताया है।

बता दें कि 11 अक्टूबर को अदानी पोर्ट्स ने घोषणा करते हुए कहा था कि 15 नवंबर से उनके टर्मिनल ईरान, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के कार्गो को नहीं संभाल सकेंगे। यह नियम अदानी पोर्ट्स द्वारा संचालित सभी पोर्ट्स के लिए होंगे। अदानी ग्रुप के इस कदम को उठाने के पीछे कोई वजह नहीं बताई थी। हालांकि करीब तीन हफ्ते पहले भारतीय अधिकारियों ने अदानी ग्रुप द्वारा संचालित मुंद्रा पोर्ट पर 2.65 बिलियन रुपये की तीन टन हेरोइन जब्त की थी। नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने अपने ट्विटर पेज से मामले को लेकर कई ट्वीट किए हैं। इसमें कहा गया है कि अफगानिस्तान में अस्थिरता के कारण ईरान कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसमें नशीले पदार्थों के उत्पादन में बढ़ोतरी देखी है। ईरान ने कहा है कि यूनाइटेड नेशंस ने नशीले पदार्थों पर नियंत्रण करने के लिए हमारी तारीफ की है लेकिन ट्रेड से इनकार कर और एक गैर-पेशेवर और असंतुलित कदम उठाकर खेपों पर प्रतिबंध लगाकर गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा। ब्यान में कहीं अदानी पोर्ट्स का नाम नहीं था लेकिन तेहरान ने कड़े शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया दे दी है।

इमरान खान की सुनने को राजी नहीं बाजवा? आईएसआई के नए चीफ पर अब भी नहीं हुआ फैसला

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के नए डायरेक्टर की नियुक्ति को लेकर पाकिस्तान में पीएम इमरान खान और सैन्य नेतृत्व के बीच गतिरोध जारी है। डॉन की एक रिपोर्ट मुताबिक इमरान खान को उम्मीदवारों की एक लिस्ट मिली है। नाम न बताने की शर्त पर एक केंद्रीय मंत्री ने डॉन को बताया है कि पीएम को मामले को लेकर जानकारी दी गई है जिसमें डीजी आईएसआई के ऑफिस के लोगों के नाम हैं।

सत्ताधारी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ ने नेशनल असेंबली में सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के साथ पीएम की बैठक के विवरण के खुलासे को लेकर अपने नेता आमिर डोगर को फटकार लगाई है। उन्हें कथित तौर पर पार्टी से कारण बताओ नोटिस मिला था।

मामले को लेकर सफाई देते हुए केंद्रीय सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने ट्वीट कर बताया कि नए ढ्ढस्ढ्ढ डायरेक्टर की नियुक्ति को लेकर पीएम और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के बीच बातचीत हो चुकी है और नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। इमरान सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि देश की स्थिरता, अखंडता और विकास के लिए सभी संस्था एकजुट हैं।

इससे पहले कैबिनेट बैठक की जानकारी देते हुए फवाद चौधरी ने जहा था कि पीएम इमरान खान संविधान के मुताबिक आईएसआई के डायरेक्टर की नियुक्ति चाहते हैं। रक्षा मामलों के विशेषज्ञों की मानें तो

नियुक्ति की प्रक्रिया का संविधान या सेना अधिनियम में उल्लेख नहीं किया गया है। पिछली नियुक्तियां परंपराओं के मुताबिक की गई थी जिसके तहत सेना प्रमुख पीएम को तीन नामों का प्रस्ताव देते हैं। अंतिम फैसला पीएम ही लेते हैं।

पिछले हफ्ते इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने घोषणा की थी कि लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अहमद अंजुम को नया ढ्ढस्ढ्ढ डायरेक्टर बनाया गया है और मौजूदा लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को पेशावर कोर कमांडर के रूप में तैनात किया गया है।

चूंकि पीएम ऑफिस द्वारा नियुक्ति को लेकर कोई अधिसूचना नहीं जारी की गई तो सरकार को चुप्पी तोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। फवाद चौधरी ने साफ़ कहा है कि ढ्ढस्ढ्ढ डायरेक्टर की नियुक्ति का अधिकार पीएम को है। ऐसे में पीएम ऑफिस या सैन्य व्यवस्था कोई भी ऐसा कदम नहीं उठाएगी जिससे एक-दूसरे की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचे।

चीन और रूस की नौसेना ने युद्धाभ्यास शुरू किया, राजनीतिक और सैन्य सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन और रूस की नौसेना ने रूस के सुदुर पूर्व में बृहस्पतिवार को संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू किया जो दोनों देशों के बीच बढ़ते राजनीतिक और सैन्य सहयोग का संकेत है। 'संयुक्त समुद्र -2021' नाम से यह युद्धाभ्यास बृहस्पतिवार को रूस के सुदुर पूर्व में पीटर महान की खाड़ी में शुरू हुआ और यह रविवार तक चलेगा। चीन की सरकारी मीडिया ने बताया कि युद्धाभ्यास के दौरान संचार, बारूदी सुरंग रोधी, हवाई खतरों और पनडुब्बी रोधी कार्रवाई का अभ्यास किया जाएगा और इस दौरान समुद्री लक्ष्यों को संयुक्त रूप से निशाना बनाया जाएगा।

खबरों में बताया गया कि पहले भी इस तरह के युद्धाभ्यास होते रहे हैं लेकिन पहली बार चीन ने अपने पनडुब्बी रोधी विमान और 10 हजार टन से अधिक जल विस्थापन क्षमता वाले विध्वंसकों को विदेश युद्धाभ्यास के लिए भेजा है। गौरतलब है कि अमेरिका के वैश्विक स्तर पर प्रभाव का मुकाबला करने के लिए चीन और रूस एकजुट हैं और दोनों ने अफगानिस्तान और अन्य मुद्दों पर अमेरिकी विदेशी नीति की आलोचना की है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर किया गया हमला, दुर्गा पूजा के दौरान मूर्तियों को तोड़ा, पंडाल में मौजूद तीन हिंदुओं की हत्या की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश से हिंदुओं पर हमले की खबरें आ रही हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश से दुर्गा पूजा पंडालों और मूर्तियों पर हमले की कई घटनाएं सामने आई हैं। एक स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट के बाद बांग्लादेश के कोमिला में एक पूजा स्थल पर कुरान का अपमान करने का आरोप लगाया गया और उसके बाद वहा पर कुछ लोगों ने काफी तोड़फोड़ की। पुलिस गुस्साई भीड़ पर काबू नहीं पा सकी और भीड़ ने खूब आतंक बनाया। दुर्गा पूजा के दौरान मूर्तियों को तोड़ दिया गया।

ग्राउंड रिपोर्ट्स का कहना है कि बांग्लादेश में दुर्गा पूजा पंडाल पर हुए हमले में कम से कम तीन लोग मारे गए है। इस हमले के दौरान कई राउंड फायरिंग भी की गई जिससे तीन हिंदुओं की मौत हो गई। मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। इसके अलावा काफी लोग घायल है जिसकी गिनती नहीं की जा सकी है। रिपोर्ट में कहा

गया है कि कमिला हिंसा के बाद, चांदपुर के हाजीगंज, चट्टोग्राम के बंशखली और कॉक्स बाजार के पेकुआ के मंदिरों से भी तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई हैं।

सरकार ने कथित तौर पर उन इलाकों में अर्धसैनिक बलों को तैनात किया है जहां हिंसा हुई थी। जिस पूजा मंडप पर हमला किया गया था, उसकी तस्वीरें बांग्लादेश हिंदू एकता परिषद द्वारा साझा की गई थीं।

रिषद ने आगे कहा बांग्लादेश के इतिहास में एक निंदनीय दिन ... हम एक ट्वीट में प्रकाशित नहीं कर सकते हैं कि पिछले 24 घंटों में क्या हुआ है। बांग्लादेश के हिंदुओं ने कुछ लोगों के असली चेहरे देखे। हमें नहीं पता कि भविष्य में क्या होगा लेकिन बांग्लादेश के हिंदू 2021 की दुर्गा पूजा को कभी नहीं भूलेंगे।

250 फलस्तीनी कैदियों का भूख हड़ताल, इजराइल ने बना रखा है बंधक

रामल्ला। (एजेंसी)।

इजराइल द्वारा बंधक बनाये गये कम से कम 250 फलस्तीनी कैदियों ने अलग-अलग कोठरियों में रखे जाने के खिलाफ भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। चरमपंथी 'इस्लामिक जिहाद' संगठन की अगुवाई में भूख हड़ताल ऐसे समय में हो रही है जब पिछले महीने उच्च सुरक्षा वाली एक जेल से छह कैदियों के भाग जाने के बाद इजराइल के हिरासत केंद्रों में तनाव बढ़ गया है। इन छह कैदियों को कुछ सप्ताह के अंदर फिर पकड़ लिया गया था, लेकिन इससे इजराइली अधिकारियों के लिए असहज स्थिति पैदा हो गयी।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के सिलसिले में इजराइल ने इस समय 4,600 से अधिक फलस्तीनियों को बंधक बना रखा है। कैदियों में इराजइलियों के खिलाफ जानलेवा हमलों के दोषी चरमपंथियों से लेकर राजनीतिक कार्यकर्ता तक हैं जिन्होंने प्रदर्शनों में भाग लिया। इनमें इजराइली सैनिकों पर पथराव करने वाले किशोर भी हैं। कैदी खुद को राजनीतिक गुट की तौर पर संगठित रखते हैं और उन्होंने पिछले कुछ सालों में भूख हड़तालों तथा अन्य सामूहिक कार्रवाई के जरिये छूट प्राप्त की हैं।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू के अरुणाचल प्रदेश दौरे पर चीन ने जताई आपत्ति, भारत ने दिया करारा जवाब

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के अरुणाचल प्रदेश के हालिया दौरे पर बुधवार को आपत्ति जताई और कहा कि वह इस दौरे के पूरी तरह खिलाफ है क्योंकि उसने कभी राज्य को मान्यता नहीं दी है। नायडू ने नौ अक्टूबर को अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया था और राज्य विधानसभा के एक विशेष सत्र को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि पूर्वोत्तर में स्पष्ट बदलाव क्षेत्र में विकास के पुनरुत्थान का स्पष्ट साक्ष्य है जिसकी दशकों तक अनदेखी की जाती रही। चीन अपनी स्थिति दिखाने के लिए भारतीय नेताओं के अरुणाचल प्रदेश दौरे पर नियमित तौर पर आपत्ति व्यक्त करता रहा है। भारत का कहना है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और भारतीय नेता इस राज्य का समय-समय पर उसी तरह दौरा करते हैं जिस तरह कि वे देश के अन्य हिस्सों का दौरा करते हैं।

नायडू के दौरे के बारे में चीन की आधिकारिक मीडिया द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजान ने कहा कि चीन ने राज्य को कभी मान्यता नहीं दी है। उन्होंने कहा, ''सीमा मुद्दे पर चीन की स्थिति अडिग और स्पष्ट है। चीन सरकार ने कभी भी भारतीय पक्ष द्वारा एकतरफा और अवैध रूप से स्थापित तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं दी है एवं यह भारतीय नेता के संबंधित क्षेत्र के दौरे का कड़ा विरोध करता है।'' लिजान ने कहा, हम भारतीय पक्ष से चीन की प्रमुख चिंताओं का ईमानदारी से सम्मान करने और ऐसी किसी कार्रवाई से बचने का आग्रह करते हैं जिससे सीमा मुद्दा और जटिल तथा विस्तारित हो एवं जो आपसी विश्वास और द्विपक्षीय संबंधों को कमतर करे।

प्रवक्ता ने कहा, इसके बजाय इसे चीन-भारत सीमा क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए वास्तविक ठोस कार्रवाई करनी चाहिए तथा द्विपक्षीय संबंधों को वापस पटरी पर लाने में मदद करनी चाहिए। भारत कहता रहा है कि द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति के लिए पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से संबंधित मुद्दों का समाधान आवश्यक है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की यह टिप्पणी पूर्वी लद्दाख में 17 महीने से भारत और चीन के बीच चले आ रहे गतिरोध

को दूर करने में विफल रहने के कुछ दिन बाद आई है। भारतीय सेना ने सोमवार को कहा कि रविवार को हुई 13वें दौर की सैन्य वार्ता में उसके द्वारा दी गई ''सकारात्मक सलाह'' पर चीनी पक्ष सहमत नहीं हुआ और न ही वह उम्मीद दिखाने वाला कोई प्रस्ताव दे सका।

संपादकीय

गति-शक्ति अनिवार्य

भारत में विकास को गति देना बहुत जरूरी है और इस दिशा में किसी भी प्रयास का खुले मन से स्वागत होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पीएम गतिशक्ति-राष्ट्रीय मास्टर प्लान की शुरुआत की है। इससे देश में बुनियादी ढांचे का विकास तेज होगा और इस प्लान के तहत सरकार 100 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसमें कोई शक नहीं कि बुनियादी ढांचे या योजनाओं में इतने बड़े निवेश से लाखों लोगों को नौकरी मिलेगी। प्रधानमंत्री ने इस विशेष प्लान को अगर आत्मनिर्भर भारत निर्माण की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना है, तो कोई आश्चर्य नहीं। इस प्लान का लक्ष्य 1.5 ट्रिलियन डॉलर की राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन के तहत परियोजनाओं को अधिक शक्ति व गति देना है। उम्मीद करनी चाहिए कि विकास के लिए निर्धारित धन जल्दी उपयोग में आए और देश के विकास में जल्दी बढ़त दिखे। प्रधानमंत्री ने कहा है कि हम अगले 25 वर्ष के लिए नींव रख रहे हैं। वैसे यह प्लान एकदम नया नहीं है, इसकी चर्चा अगस्त महीने में ही शुरू हो गई थी। इस प्लान से सबसे बड़ी उम्मीद यही है कि जो परियोजनाएं ज्यादा जरूरी हैं, जिनमें रोजगार पैदा होने की ज्यादा गुंजाइश है, उनमें पहले खर्च करना होगा। यह राष्ट्रीय मास्टर प्लान 21वीं सदी की विकास योजनाओं को तभी गति-शक्ति दे सकेगा, जब सरकारी अधिकारी पूरे समर्पण भाव से इस पर ध्यान देंगे। यह बात अनेक बार सामने आ चुकी है कि बुनियादी ढांचा विकास से जुड़े अनेक अधिकारी ऐसे हैं, जिनका झुकाव ठेकेदारों की तरफ ज्यादा रहता है। इस वजह से परियोजनाओं को पूरा करने में जरूरत से ज्यादा वक्त लगता है। सरकारी ढांचे में यह जो कमी है, उसे क्या गति-शक्ति के जरिये दूर किया जा सकेगा? क्या गति-शक्ति से अधिकारियों की नीयत में भी सुधार आएगा? अनेक बार यह बात होती है कि योजनाओं और संसाधनों की कोई कमी नहीं, लेकिन उनके क्रियान्वयन में लगे लोगों की मंशा संदेहों के घेरे में रही है। गति-शक्ति के तहत यह भी देखना चाहिए कि काम न केवल समय पर हों, बल्कि गुणवत्तापूर्ण भी हों। हमने अनेक पुलों को बनते ही टूटते-ढहते देखा है, लेकिन दोषी अधिकारियों का क्या हुआ, कितने लोग जानते हैं? आला अधिकारी अपने देश की इस कमी से वाकिफ हैं, उन्हें सचेत रहना होगा। गति-शक्ति प्लान नाम से ही जिस जल्दी की व्यंजना होती है, उसका प्रसार क्रियान्वयन से जुड़े अधिकारियों तक होना चाहिए। इस प्लान को देश के बुनियादी ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा था कि गति-शक्ति प्लान विभागीय रुकावटों को खत्म कर देगा और समग्र योजना को संस्थागत रूप देगा। इस प्लान के तहत 16 मंत्रालयों और विभागों द्वारा नियोजित और शुरू की गई ढांचागत विकास पहलों को एकजुट करने के लिए एक केंद्रीकृत पोर्टल की परिकल्पना की गई है, जिसका लाभ निचले स्तर तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचना चाहिए। लोगों को जमीनी स्तर पर इस प्लान का असर तब महसूस होगा, जब सड़कों पर अक्सर होने वाली खुदाई रुक जाएगी, जब सरकारी विभागों के बीच विकास कार्यों में समन्वय दिखने लगेगा। जब अधिकारी किसी काम के लिए किसी अन्य विभाग को दोषी नहीं ठहराएंगे और पूरी जिम्मेदारी से काम करेंगे और पूछने पर दावे के साथ सही जवाब भी देंगे।

'आज के ट्वीट

प्रथम पंक्ति

गोवा राज्य जबसे बना है तबसे यहाँ अस्थिरता का माहौल था। भाजपा की सरकार ने गोवा में स्थिरता और विकास दोनों देने का काम किया है। कोरोना वैक्सीन का टीकाकरण हो या भारत सरकार की विभिन्न गरीब कल्याण की योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाने का कार्य हो गोवा देशभर में प्रथम पंक्ति में खड़ा हैं। -- अमित शाह

भारत-इजरायल मैत्री पर इमरान को मिर्ची लगे तो लगे

- आर.के. सिन्हा

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को भारत-इजरायल के मजबूत होते संबंधों पर बड़ी तकलीफ होती है। उनका वश चले तो वे इन दोनों देशों के संबंधों को खराब करने का कोई मौका न चूकें। पर वे बेबस हैं। इसलिए वे भारत-इजरायल संबंधों पर अपनी भड़ास निकालते रहते हैं। हालांकि उनके भड़ास निकालने से फर्क ही क्या पड़ता है। खैर, उन्होंने हाल ही में दावा किया कि जैसे इजरायल ने फिलिस्तीन की जमीन हड़प ली, उसी तरह भारत मुस्लिम बहुल कश्मीर में वही रवैया अपना रहा है। भारत कश्मीर की आबादी के चरित्र को बदलना चाहता है। उन्हें इस बात से बड़ी तकलीफ रहती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कश्मीर में गैर-कश्मीरियों को बसाना चाहते हैं। अब इमरान खान को कोई बता दे कि भारत के अन्य राज्यों की तरह कश्मीर भी भारत का ही एक सूबा है। वहां जो भारत चाहेगा करेगा, उसके पेट में क्यों दर्द हो रहा है। इसके लिए भारत को पाकिस्तान से कोई सलाह नहीं चाहिए। इसलिए इमरान खान कश्मीर के हालात को लेकर दुबले न होते जायें तो उनकी सेहत जितनी तेजी-सी बिगड़ रही है, उतनी शायद नहीं बिगड़ेगी। इमरान खान जितना ज्यादा बोलते हैं उतनी ही जल्दी वे अपने अल्प ज्ञान को प्रकट कर देते हैं। वे दावा करते हैं कि जब नरेन्द्र मोदी इजरायल जाते हैं, उसके तत्काल बाद भारत के संविधान के अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया जाता है। इमरान खान यह जान लें कि मोदी जी ने इजरायल की यात्रा 2017 में की थी, वहीं जम्मू-कश्मीर के विशेष राज्य का दर्जा साल 2019 में खत्म हुआ। मतलब पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान अपने सतही ज्ञान से अपने को जोड़कर ही साबित करते रहते हैं। वे दरअसल कुंठित व्यक्तित्व के धनी हैं। उन्हें भारत की किसी भी उपलब्धि पर तकलीफ ही होती है। कुछ समय पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज रजा ने कहा था कि भारत चाहे तो पाकिस्तान की क्रिकेट को तबाह कर सकता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संघ को सर्वाधिक फंडिग भारत से ही होती है। यह बयान वह इंसान दे रहा था जिसे इमरान खान ने ही पीसीबी का मुखिया बनाया था। जाहिर है, इन सब वजहों से ही इमरान खान दुखी रहते हैं। इमरान खान चाहे लाख जले-भुनें पर भारत- इजरायल संबंध तो लगातार मजबूत होते ही रहेंगे। दोनों मुल्कों के संबंध आपसी सौहार्द और विश्वास पर आधारित हैं। दोनों देशों के रिश्ते चट्टान जैसे मजबूत हैं और रहने वाले हैं। भारत-इजरायल के रिश्तों को ठोस आधार देने की दिशा में प्रधानमंत्री मोदी और इजराइल के निवर्तमान प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। इजराइल भारत के सच्चे मित्र के रूप में लगातार सामने आता रहा है। हालांकि फिलिस्तीन मसले पर भी भारत आंखें मूंदकर अरब संसार के साथ खड़ा रहा, पर बदले में भारत को वहां से कभी भी अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। उलटे कश्मीर के सवाल पर अरब देशों ने सदैव पाकिस्तान का ही साथ दिया। लेकिन, इजराइल ने हमेशा भारत की हर तरह से मदद की। मुझे कहने दें कि हमारे यहां भी कुछ तत्व इजरायल का खुलकर विरोध करते रहते हैं। वे भूल जाते हैं कि इजरायल सदैव हमारा संकट का मित्र रहा है। जामिया मिलिया इस्लामिया को ही लें। वहां कोविड-19 से पहले छात्रों ने इजरायल के खिलाफ आंदोलन किया था। वे यह मांग कर रहे थे कि जामिया में इजरायल की किसी भी तरह से भागीदारी नहीं रहेगी। इनका कहना था कि इजरायल फिलिस्तीन में मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। भारत को इन तत्वों पर कसकर चाबुक चलानी होगी। दरअसल, इजरायल से पाकिस्तान ही नहीं बल्कि समूचा अरब जगत भी खार खाता रहा है। हालांकि अब कुछ हालात सुधरते दिख रहे हैं। दुनिया भर के मुसलमानों के मन में इजरायल की तो नेगेटिव ही छवि है। दरअसल इजरायल और उसके पड़ोसियों के बीच 1967 में युद्ध भड़क गया था जिसे अरब-इजराइल युद्ध के नाम से जाना जाता है। उसमें पाकिस्तान के लड़ाकू विमान भी अरब देशों के लिए लड़े थे। यह युद्ध 5 जून से 11 जून 1967 तक चला था। इस जंग के बाद वेस्ट एशिया का चेहरा ही बदल गया था। इजराइल ने मिस्र को गज़ा से, सीरिया को गोलन पहाड़ियों से और जॉर्डन को पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम से धकेल दिया था। हालांकि पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों ने जंग में खुलकर भाग लिया था पर जंग में विजय इजरायल की हुई थी। पाकिस्तान की विदेश नीति में भारत के अलावा इजरायल को भी शत्रु माना जाता है। इजरायल को पाकिस्तान ने मान्यता नहीं दी है और न उससे कभी संबंध स्थापित किए। पाकिस्तान के पासपोर्ट पर लिखा होता है कि ये इजरायल को छोड़कर हर देश में जाने में सहायक है। उधर, इजरायल पाकिस्तान को मान्यता इसलिए नहीं देता, क्योंकि पाकिस्तान धार्मिक आधार पर फिलिस्तीन को मान्यता देता है। पाकिस्तान के भारत से खराब संबंधों के लिये जिम्मेदार तो अनेकों कारण हैं। उसकी पैदाइश ही भारत से नफरत पर हुई थी। पाकिस्तान में उस शख्स को महान बताया जाता है जो परमाणु बम की तकनीक उत्तर कोरिया को गलत तरीके से बेच देता है। हम बात कर रहे हैं 'इस्लामिक परमाणु बम' के जनक कहे जाने वाले कुख्यात वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान की। उनका हाल ही में निधन हो गया है। वे दुनिया की तबाही का हथियार बनाने वाले परमाणु तस्कर थे। वहां उन्हें मरने के बाद नायक बना दिया गया और उनके जीवन के आखिरी लगभग 17 बरस कैद में ही गुजरे। उनकी रिहाई की भीख मांगते हुए मौत हो गई। भारत के भोपाल शहर में जन्मे और हिन्दुओं से नफरत करने वाले कादिर की तुलना भारत के 'मिसाइल मैन' राष्ट्रपति अब्दुल कलाम से भी की जाती थी। भारत को अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों और परमाणु बम की बेजोड़ ताकत से लैस करने वाले कलाम साहब को देश का राष्ट्रपति बनाया गया। कलाम जनता के राष्ट्रपति साबित हुए। अब्दुल कादिर खान बहुत ही जलते थे कलाम से। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि कलाम एक 'साधारण वैज्ञानिक' थे। आप समझ सकते हैं कि वहां के नायक कितने दिल वाले हैं। बहरहाल, बात हो रही थी इमरान खान क्यों भारत- इजरायल संबंधों को लेकर दुखी रहते हैं। उनके पास दुखी होने के अलावा कोई विकल्प है ही नहीं क्योंकि भारत-इजरायल रिश्ते मूल्यों और बराबरी पर आधारित हैं। भारत के ऊपर यह दायित्व है कि वह इजरायल को कभी नजरअंदाज न करे। इजरायल ने कई जंगों में भारत की निर्णायक मदद की है, यह उसकी मित्रता का सुबूत है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

दृष्टि

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक साधु अपने शिष्य के साथ किसी अंजान नगर में घूमते हुए पहुंचे। रात बहुत हो चुकी थी इसलिए वे दोनों रात गुजारने के लिए किसी आसरे की तलाश कर रहे थे। तभी शिष्य ने अपने गुरु के कहने पर किसी के घर का दरवाजा खटखटाया। वो घर किसी धनी परिवार का था। परिवार का मुखिया संकीर्ण वृत्ति का था। साधु के आसरा मांगने पर उसने कहा, 'मैं अपने घर के अंदर तो आपको नहीं ठहरा सकता, लेकिन तलघर में हमारा गोदाम है। चाहें तो रात वहां गुजार सकते हैं।' तलघर के कठोर आंगन पर वे विश्राम की तैयारी कर ही रहे थे कि तभी साधु को दीवार में एक सुराख नजर आया। साधु कुछ देर चिंतन के बाद उसे भरने में जुट गए। शिष्य ने इसका कारण जानना चाहा तो साधु ने कहा, 'चीजें हमेशा वैसी नहीं होतीं, जैसी दिखती है।' दूसरी रात वे दोनों एक निर्धन किसान के घर आसरा मांगने पहुंचे। किसान और उसकी पत्नी ने प्रेम व आदरपूर्वक उनका स्वागत किया। फिर उन्हें रात गुजारने के लिए अपना बिस्तर भी दिया और स्वयं नीचे फर्श पर सो गए। सुबह होते ही साधु व उनके शिष्य ने देखा कि किसान और उसकी पत्नी बहुत रो रहे थे क्योंकि उनका बैल खेत में मृत पड़ा था। यह बैल किसान की रोजी-रोटी का सहारा था। यह सब देखकर शिष्य ने साधु से कहा, 'गुरु जी, आपके पास तो अनेक सिद्धियां हैं, फिर आपने यह सब कैसे होने दिया? उस धनी के पास तो इतना कुछ था, फिर भी आपने उसके तलघर की मरम्मत करके उसकी सहायता की। जबकि इस गरीब किसान के पास कुछ ना होते हुए भी इसने हमारा इतना सम्मान किया। फिर आपने कैसे उसके बैल को मरने दिया।' साधु ने कहा चीजें हमेशा वैसी नहीं होतीं, जैसी दिखती है। साधु ने कहा कि उस धनी के तलघर में सुराख से मैंने देखा उस दीवार के पीछे स्वर्ण का भंडार था। लेकिन वह धनी बेहद ही लोभी और कंजूस था। इस कारण मैंने उस सुराख को बंद कर दिया, ताकि स्वर्ण का भंडार गलत हाथ में ना जाएं। जबकि इस गरीब किसान की रात्रि में इस किसान की पत्नी की मौत लिखी थी और जब यमदूत उसके प्राण हरने आए तो मैंने उन्हें रोक दिया। चूंकि यमदूत खाली हाथ नहीं जा सकते थे, इसलिए मैंने उनसे किसान के बैल के प्राण हरने के लिए कहा। अब तुम ही बताओ, मैंने सही किया या गलत। यह सुनकर शिष्य अपने गुरु के समक्ष नतमस्तक हो गया।

'राइट टू रिकॉल' की प्रासंगिकता का प्रश्न

आलोक यात्री

लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा संचालित शासन प्रणाली है। लिहाजा निर्वाचित प्रतिनिधि के अपने कर्तव्य पालन में विफल रहने या किसी गलत कार्य में लिप्त पाए जाने की स्थिति में 'राइट टू रिकॉल' का प्रावधान जरूरी हो जाता है। जयप्रकाश नारायण के बाद अन्ना हजारे भी अपने आंदोलनों में 'राइट टू रिकॉल' के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। दुर्भाग्य तो यह है कि अन्ना हजारे के आंदोलनों की पतवार थामे लोग भी सत्ता की मुख्यधारा से जुड़ने के बाद इस मुद्दे को विस्मृत कर बैठे। 'राइट टू रिकॉल के साथ ही मतदाता को 'नोटा' (नन ऑफ द अबव यानी उनमें से कोई नहीं) का अधिकार दिए जाने की मांग जोर पकड़ने लगी थी, जिसके माध्यम से कोई भी नागरिक चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को वोट नहीं देने का विकल्प चुन सकता है। 'नोटा' की अवधारणा संवैधानिक तौर पर भले ही लागू कर दी गई हो, लेकिन इसका कोई चुनावी मूल्य नहीं है। 'नोटा' के रूप में सामने आए मत भले ही निकटतम प्रत्याशी को मिले मतों से अधिक हों, लेकिन विजेता निकटतम वोट प्राप्त प्रत्याशी को ही घोषित किया जाता है। भारतीय चुनाव प्रक्रिया में 'नोटा' ने खासी लोकप्रियता हासिल की है। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर 2013 में 'नोटा' लागू किए जाने के बाद से हमारे सामने ऐसे कई उदाहरण हैं जो यह बताते हैं कि सभी प्रत्याशियों को खारिज करने का विकल्प कई मतदाताओं को अपनी बात मुखर करने की आजादी देता है। 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में ईवीएम पर नोटा पर उंगलियों की संख्या आम आदमी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी को मिले वोटों से कहीं अधिक थी। ईवीएम के इस बटन के द्वारा मतदाताओं ने यह बता दिया कि चुनाव में उतरा कोई भी प्रत्याशी उनका प्रतिनिधित्व करने के योग्य नहीं है। 5 लाख 51 हजार 294 लोगों ने 'नोटा' को पहली पसंद बनाया था। हाल ही में सत्ताधारी एक जनप्रतिनिधि के पुत्र द्वारा प्रदर्शनकारी किसानों को कथित रूप से कुचल कर मार डालने का मामला सरगर्म है। विभिन्न संगठनों, विपक्षी दलों द्वारा उक्त सांसद को मंत्री पद से हटाने की पुरजोर मांग की जा रही है। ऐसे में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को वापस बुलाने के जनता के अधिकार पर बहस फिर मुखर हो गई है। चुने हुए प्रतिनिधि को वापस बुलाने का अधिकार खासा प्राचीन है। एथेंनियन लोकतंत्र से यह कानून चलन में था। ईसा पूर्व 5वीं सदी में प्राचीन एथेंस वासियों ने अपने अनूठे लोकतंत्र के तहत एक अनूठी सामाजिक परंपरा लागू कर रखी थी। हर वर्ष उनके 10 महीने के कैलेंडर में छठे और सातवें महीने (जनवरी या फरवरी) में सभी एथेंस वासी पुरुषों से सभा में पूछा जाता था कि क्या वे बहिष्कार आयोजित करना चाहते हैं? वे यदि पक्ष में मतदान करते तो दो माह बाद बहिष्कार का आयोजन किया जाता। मिट्टी के बर्तनों के टुकड़ों पर नागरिक उन लोगों के नाम लिखते थे जिन्हें वह पदच्युत करना चाहते थे। उन टुकड़ों को एक कलश में रखा जाता था। जिस व्यक्ति के नाम के अधिक टुकड़े आते थे उसे 10 वर्षों के लिए उम्मीदवारी से वंचित कर दिया जाता था। बाद में कई देशों ने 'रिकॉल' को अपने संविधान का हिस्सा बनाया। इतिहास बताता है कि 'रिकॉल' की उत्पत्ति स्विट ज़रलैंड में हुई, लेकिन चलन में यह अमेरिका से आया। 1903 में अमेरिका के लॉस एंजेल्स शहर की नगर पालिका, 1960 में मिशीगन और ओरेगॉन में पहली बार 'राइट टू रिकॉल' विकल्प के तौर पर संविधान में लागू किया गया। कनाडा की ब्रिटिश कोलंबिया विधान सभा ने 1995 से 'रिकॉल चुनाव' को मान्यता प्रदान कर रखी है। भारत में 'राजधर्म' की अवधारणा वैदिक काल में भी मौजूद थी। 'रिकॉल' की अवधारणा देश में पहली बार 1924 में तब सामने आई थी जब हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़े सचिंद्र नाथ सान्याल ने पार्टी के घोषणापत्र में कहा था 'इस गणराज्य में मतदाताओं के पास अपने जनसेवकों के ऊपर राइट टू रिकॉल का अधिकार सुरक्षित होगा। लोकतंत्र मजाक न बने इसलिए मतदाता को यह अधिकार प्रदान किया जाएगा।' इस मुद्दे पर संविधान सभा में बहस भी हुई थी, लेकिन कहा जाता है कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने इस प्रस्तावित संशोधन को स्वीकार नहीं किया था। देश के सुप्रसिद्ध मानवाधिकारवादी एम.एन. रॉय ने 1944 में विकेंद्रीकृत और शासन के विकसित स्वरूप को प्रस्तावित किया था जो जनप्रतिनिधियों को चुनने और उन्हें वापस बुलाने की अनुमति देता है। जुलाई, 1947 में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने संविधान सभा में जनता को जनसेवकों को हटाने के अधिकार 'रिकॉल' को प्रभावी बनाने पर बल दिया था। 1974 में सी.के. चंद्रप्पन द्वारा जनसेवकों को वापस बुलाने वाला प्रस्ताव लोकसभा के पटल पर रखा था, जिसका समर्थन अटल बिहारी वाजपेयी ने भी किया था। कहने को भारत के कुछ राज्यों में सरपंच, मुखिया, पार्षद और महापौर जैसे जनसेवकों को वापस बुलाने का अधिकार है लेकिन इसके प्रभावी परिणाम अभी सामने आने बाकी हैं।

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

असत्य पर विजय का पर्व विजयादशमी (दशहरा)

दशहरा या विजयादशमी का त्योहार असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार भारतीय संस्कृति के वीरता का पूजक, शौर्य का उपासक है। आश्विन शुक्ल दशमी को मनाया जाने वाला दशहरा यानी आयुध-पूजा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है।

भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए इस दशमी को विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। दशहरा या विजयादशमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। दशहरा वर्ष की तीन अत्यंत शुभ तिथियों में से एक है, अन्य दो हैं चैत्र शुक्ल की एवं कार्तिक शुक्ल की प्रतिपदा। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारंभ करते हैं, इस दिन शस्त्र-पूजा, वाहन पूजा की जाती है।

प्राचीन काल में राजा लोग इस दिन विजय की प्रार्थना कर रण यात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। दशहरा का पर्व दस प्रकार के पापों- काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी जैसे अवगुणों को छोड़ने की प्रेरणा हमें देता है।

दशहरा शब्द की उत्पत्ति- दशहरा या दसेरा शब्द 'दश' (दस) एवं 'अहन्' से बना है। दशहरा उत्सव की उत्पत्ति के विषय में कई कल्पनाएं की गई हैं। कुछ लोगों का मत है कि यह कृषि का उत्सव है। दशहरे का सांस्कृतिक पहलू भी है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में सुनहरी फसल उगाकर अनाज रूपी संपत्ति घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का ठिकाना हमें नहीं रहता। इस प्रसन्नता के अवसर पर वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए वह उसका पूजन करता है। तो कुछ लोगों के मत के अनुसार यह रण यात्रा का द्योतक है, क्योंकि दशहरा के समय वर्षा समाप्त हो जाते हैं, नदियों की बाढ़ थम जाती है, धान आदि सहेज कर में रखे जाने वाले हो जाते हैं।

इस उत्सव का संबंध नवरात्रि से भी है क्योंकि नवरात्रि के उपरांत ही यह उत्सव होता है और इसमें महिषासुर के विरोध में देवी के साहसपूर्ण कार्यों का भी उल्लेख मिलता है। दशहरा या विजया दशमी नवरात्रि के बाद दसवें दिन मनाया जाता है। इस दिन राम ने रावण का वध किया था।

राम-रावण युद्ध- रावण भगवान राम की पत्नी देवी सीता का अपहरण कर लंका ले गया था। भगवान राम युद्ध की देवी मां दुर्गा के भक्त थे, उन्होंने युद्ध के दौरान पहले नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा की और दसवें दिन दुष्ट रावण का वध किया। इसलिए विजयादशमी एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। राम की विजय के प्रतीक स्वरूप इस पर्व को 'विजयादशमी' कहा जाता है।

मेलों का आयोजन- दशहरा पर्व को मनाने के लिए जगह-जगह बड़े मेलों का आयोजन किया जाता है। यहां लोग अपने परिवार, दोस्तों के साथ आते हैं और खुले आसमान के नीचे मेले का पूरा आनंद लेते हैं। मेले में तरह-तरह की वस्तुएं, चूड़ियों से लेकर खिलौने और कपड़े बेचे जाते हैं। इसके साथ ही मेले में व्यंजनों की भी भरमार रहती है।

रामलीला और रावण वध- इस समय रामलीला का भी आयोजन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। दशहरा अथवा विजयादशमी भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा, शस्त्र पूजन, हर्ष, उल्लास तथा विजय का पर्व है। रामलीला में जगह-जगह रावण वध का प्रदर्शन होता है।

शक्ति का उत्सव- शक्ति की उपासना का पर्व शारदेय नवरात्रि प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। इस मौके पर लोग नवरात्रि के नौ दिन जगदंबा के अलग-अलग रूपों की उपासना करके शक्तिशाली बने रहने की कामना करते हैं। भारतीय संस्कृति सदा से ही वीरता व शौर्य की समर्थक रही है। दशहरे का उत्सव भी शक्ति के प्रतीक के रूप में मनाया जाने वाला उत्सव है।

बुराई पर विजय का पर्व- इस दिन क्षत्रियों के यहां शस्त्र की पूजा होती है। इस दिन रावण, उसके भाई कुंभकर्ण और पुत्र मेघनाद के पुतले जलाए जाते हैं। कलाकार राम, सीता और लक्ष्मण के रूप धारण करते हैं और आग के तीर से इन पुतलों को मारते हैं जो पटाखों से भरे होते हैं। पुतले में आग लगते ही वह धू-धू कर जलने लगता है और इनमें लगे पटाखे फटने लगते हैं और उससे उसका अंत हो जाता है। यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। दशहरा पर्व हमें यह भी सिखाता है कि हमें सभी बुराइयों को त्याग कर हमेशा अच्छाई के मार्ग पर चलना चाहिए।

शमी पूजन कैसे करें दशहरे पर

नवरात्र की पूर्णता के साथ ही देशभर में विजयादशमी का पर्व मनाया जाएगा। विजयादशमी का पर्व अच्छाई की बुराई पर विजय का संदेश देता है। विजयादशमी पर्व है संकल्प का कि हम अपने अंतरतम में उपजी बुराइयों पर विजय प्राप्त कर सन्मार्ग पर अग्रसर हो सकें।

देश के अलग-अलग हिस्सों में विजयादशमी का पर्व अपनी-अपनी लोक परंपराओं के अनुसार मनाया जाता है। इस दिन रावण दहन भी किया जाता है, जो बुराई एवं अहंकार का प्रतीक है। विजयादशमी के दिन शस्त्रपूजा एवं शमी वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व होता है। विजयादशमी के दिन देश के कुछ हिस्सों में अश्व-पूजन भी किया जाता है। सनातन धर्मानुसार विजयादशमी के दिन प्रदोषकाल में शमी वृक्ष का पूजन अवश्य किया जाना चाहिए।

आइए, जानते हैं कि शमी वृक्ष का पूजन किस प्रकार किया जाना श्रेयस्कर रहता है?

-विजयादशमी के दिन प्रदोषकाल में शमी वृक्ष के समीप जाकर उसे प्रणाम करें। तत्पश्चात शमी वृक्ष की जड़ में गंगा जल/ नर्मदा जल/ शुद्ध जल का सिंचन करें। जल सिंचन के उपरांत शमी वृक्ष के सम्मुख दीपक प्रज्वलित करें। दीप प्रज्वलन के पश्चात शमी वृक्ष के नीचे कोई सांकेतिक शस्त्र रखें। तत्पश्चात शमी वृक्ष एवं शस्त्र का यथाशक्ति धूप, दीप, नैवेद्य, आरती से पंचोपचार अथवा षोडषोपचार पूजन करें। पूजन के उपरांत हाथ जोड़कर निम्न प्रार्थना करें-

'शमी शम्यते पापम् शमी शत्रुविनाशिनी।
अर्जुनस्य धनुर्धारी रामस्य प्रियदर्शिनी।।
करिष्यमाणयात्राया यथाकालम् सुखम् मया।
तत्रनिर्विघ्नकर्त्रीत्वं भव श्रीरामपूजिता।।'

-अर्थात हे शमी वृक्ष, आप पापों का क्षय करने वाले और दुश्मनों को पराजित करने वाले हैं। आप अर्जुन का धनुष धारण करने वाले हैं और श्रीराम को प्रिय हैं। जिस तरह श्रीराम ने आपकी पूजा की, हम भी करेंगे। हमारी विजय के रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं से दूर करके उसे

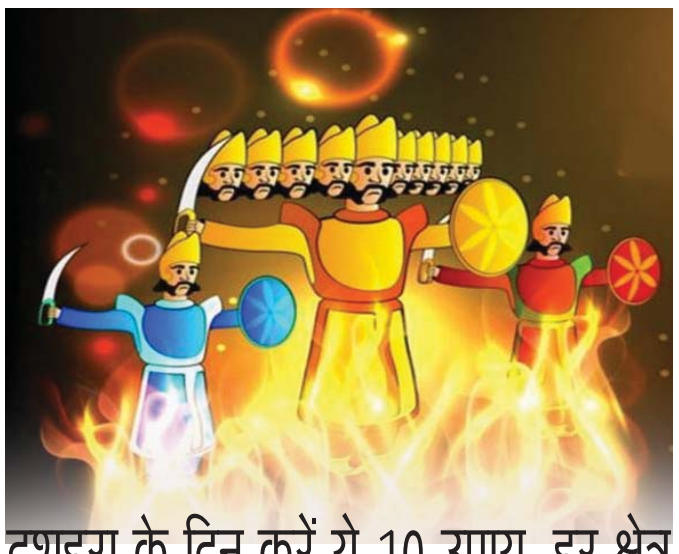

दशहरा के दिन करें ये 10 उपाय, हर क्षेत्र में होगी विजय और होगा बहुत ही शुभ

आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी का बहुत ही खास महत्व रहता है। इस दिन दशहरा और विजयादशमी का पर्व मनाया जाता है। कई लोग इस दिन साधना करते हैं और कई लोग इस दिन ज्योतिष के उपाय करके अपने जीवन को संकटों से उभारते हैं। आओ जानते हैं दशहरे के दिन किए जाने वाले 10 उपाय।

1. धन-समृद्धि के लिए : दशहरे के दिन शाम को माता लक्ष्मी का ध्यान करते हुए मंदिर में झाड़ू दान करने से धन और समृद्धि बढ़ती है।
2. नौकरी-व्यापार के लिए : नौकरी और व्यापार में परेशानी हो तो दशहरे के दिन माता का पूजन कर उन पर 10 फल चढ़ाकर गरीबों में बाटें। देवी पर सामाग्री चढ़ाते समय 'ऊँ विजयायै नमः' का जाप करें। ये उपाय मध्याह्न शुभ मुहूर्त में करें। निश्चित ही हर क्षेत्र में विजय मिलेगी। ऐसा माना जाता है कि श्रीराम ने भी रावण को परास्त करने के बाद मध्यकाल में पूजन किया था।
3. कोर्ट-कचहरी से मुक्ति के लिए : दशहरे के बहुत ही शुभ होता है।
5. कारोबार के लिए : कारोबार में लगातार घाटा हो रहा हो तो दशहरे के दिन एक नारियल सवा मीटर पीले वस्त्र में लपेटकर एक जोड़ा जनेऊ, सवा पाव मिष्ठान्न के साथ आस-पास के किसी भी राम मंदिर में चढ़ा दें। तत्काल ही व्यापार चल निकलेगा।
6. सेहत के लिए : बीमारी या संकट हटाने के लिए एक साबूत पानीदार नारियल लें और उसे अपने उपर से 21 बार वारकर किसी रावण दहन की आग में डाल दें। ऐसा घर के सभी सदस्यों के उपर से वारकर करेंगे तो उत्तम होगा।
7. आर्थिक उन्नती के लिए : दशहरे के दिन से लेकर लगातार 43 दिनों तक कुत्ते को प्रतिदिन बेसन के लड्डू खिलाएं। इससे आपकी धन संबंधित समस्याएं दूर होंगी।
8. संकट से मुक्ति के लिए : दशहरे पर सुंदरकांड की कथा कराने से सभी रोग और मानसिक परेशानियां दूर हो जाती है।
9. सकारात्मक ऊर्जा के लिए : दशहरे के दिन एक फिटकरी के टुकड़े को सभी घर के

इस दशहरे पर राशि के अनुसार कौन सा मंत्र शुभ है आपके लिए

इस बार दशहरे पर अपनी राशि के अनुसार बोले श्रीराम का यह नाम, करें कुछ खास उपाय

दशहरे के दिन अपनी-अपनी राशि अनुसार देवता का पूजन करने से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता मिलती है। आइए जानें 12 राशियों के अनुसार इस दशहरे पर कैसे करें पूजन...

* मेष राशि के जातक श्रीराम का पूजन करें, ऊँ रामभद्राय नमः मंत्र का जाप करें।
* वृषभ राशि के जातक हनुमानजी का पूजन करें, ऊँ आञ्जनेयाय नमः मंत्र का जाप करें।
* मिथुन राशि के जातक राम दरबार पर बेसन के लड्डू चढ़ाएं। ऊँ रामचंद्राय नमः मंत्र का जाप करें।
* कर्क राशि के जातक श्रीसीता-राम को मीठा पान चढ़ाएं। ऊँ जानकी वल्लभाय नमः मंत्र का जाप करें।
* सिंह राशि के जातक श्रीराम पूजन कर ऊँ जनार्दनाय नमः मंत्र का जाप करें।
* कन्या राशि के जातक हनुमान पूजन कर 'ऊँ शर्वाय नमः' मंत्र का जाप करें।
* तुला राशि के जातक राम दरबार पर शहद चढ़ाएं। ऊँ सौमित्र वत्सल नमः मंत्र का जाप करें।
* वृश्चिक राशि के जातक हनुमानजी पर चमेली का इत्र चढ़ाएं। भरत वंदितः नमः का जाप करें।
* धनु राशि के जातक तुलसी पत्र हाथ में लेकर ऊँ दान्ताय नमः का जाप करें।
* मकर राशि के जातक श्रीसीता-राम पर मौली चढ़ाएं। श्री रघुनंदन भरताग्रज नमः का जाप करें।
* कुंभ राशि के जातक हनुमान मंत्र ? वायुपुत्राय नमः या ऊँ श्री सीता पतये नमः का जाप करें।
* मीन राशि के जातक श्रीराम दरबार पर मेहंदी चढ़ाएं। दशरथ नंदनाय नमः का जाप करें।

दशहरा पर रावण दहन के सबसे अच्छे मुहूर्त कौन से हैं?

15 अक्टूबर 2021 को विजयादशी के दिन प्रत्येक जगह पर शाम के बाद रावण दहन होता है। इस दिन रावण के साथ-साथ कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का भी दहन किए जानें की परंपरा है। आओ जानते है कि किस मुहूर्त या समय में रावण दहन किया जाए या रावण दहन का मुहूर्त कितने बजे का है?

दिन के मुहूर्त:

- सर्वार्थसिद्धि योग : प्रातः 06:21:33 से 09:16: 50 तक रहेगा।
- शुभ समय- प्रातः 7:30 से 10:45 दोपहर तक तक। दशहरा पर्व अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को अपराह्न काल में दशहरा पूजा की जाती है। यह समय सूर्योदय के बाद दसवें मुहूर्त से लेकर बारहवें मुहूर्त तक रहता है।

राहु काल- प्रातः 10:30 से 12:00 बजे तक रहेगा।

शाम के बाद के रावण दहन मुहूर्त - रावण दहन का शुभ समय 7 बजकर 26 मिनट से 9 बजकर 22 मिनट तक उत्तम है। विशेष बात ये है कि इस दिन मकर राशि में तीन ग्रहों की युति बन रही है। इस दिन गुरु, शनि और चंद्रमा एक साथ मकर राशि में रहेंगे।

चौघड़िया देखकर भी रावण दहन किया जा सकता है:

दिन का चौघड़िया:

विश्व बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर कही ये बात...

वाशिंगटन: विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मालपास ने बुधवार को कहा कि कोविड-19 महामारी की चपेट में आई भारतीय अर्थव्यवस्था अब संकट से उबरने की स्थिति में है और विश्व बैंक इसका स्वागत करता है। मालपास ने यह भी कहा कि भारत संगठित क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में अधिक लोगों को एकीकृत करने और लोगों की कमाई बढ़ाने की बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है। भारत ने इस दिशा में कुछ प्रगति की है लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। मालपास ने यहां संवाददाताओं से कहा, भारतीयों को कोविड की लहर से बहुत नुकसान हुआ है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने टीकों के विशाल उत्पादन के साथ इससे निपटने की कोशिश की है और टीकाकरण के प्रयास में प्रगति हुई है। लेकिन हमें भारतीय अर्थव्यवस्था पर और विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र पर जो प्रभाव पड़ा है, उसका पता लगाना होगा। पिछले हफ्ते विश्व बैंक ने इस साल भारतीय अर्थव्यवस्था के 8.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया था। मालपास ने एक सवाल के जवाब में कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था ठीक हो रही है, और हम इसका स्वागत करते हैं। इसने कोविड की ताजा लहर से पार पालिया है। यह अच्छी बात है। लेकिन भारत, अन्य देशों की तरह, अब आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और दुनिया में बढ़ रही मुद्रास्फीति से प्रभावित हो रहा है।

सौर, पवन ऊर्जा क्षमता में पिछले साल जुलाई से जून 2021 तक 6,530 मेगावॉट का इजाफा

नयी दिल्ली, भारत ने जुलाई, 2020 से जून, 2021 के दौरान सौर और पवन ऊर्जा क्षमता में कुल 6,530 मेगावॉट का इजाफा किया है। स्वच्छ प्रौद्योगिकी क्षेत्र में परामर्श देने वाली कंपनी ब्रिज टू इंडिया की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। कुल क्षमता में 6,530 मेगावॉट की वृद्धि पिछले साल की तुलना में तीन प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, ''जुलाई, 2020 से जून, 2021 के दौरान सौर और पवन ऊर्जा क्षमताओं में 6,530 मेगावॉट की वृद्धि हुई। सालाना आधार पर यह तीन प्रतिशत अधिक है।'' रिपोर्ट के अनुसार कुल क्षमता में गुजरात ने आलोच्य अवधि में सर्वाधिक 2,256 मेगावॉट क्षमता जोड़ी है। उसके बाद राजस्थान (1,438 मेगावॉट) और उत्तर प्रदेश (822 मेगावॉट) का स्थान है।

डेल ने भारत में 5जी को बढ़ावा देने के लिए नए दूरसंचार सॉफ्टवेयर, समाधानों का किया अनावरण

नई दिल्ली। भारत जिस तरह जल्द ही 5जी तकनीक लॉन्च करने के लिए उन्नत कदम उठा रहा है, डेल टेक्नोलॉजीज भी संचार सेवा प्रदाताओं (सीएसपी) को अपने खुले, क्लाउड-नेटिव नेटवर्क परिनियोजन में तेजी लाने की जुगत में लग गया है। कंपनी ने नए राजस्व अवसर पैदा करने में मदद करने के लिए नए दूरसंचार सॉफ्टवेयर, समाधान और सेवाएं पेश की हैं। भारत में 5जी के लॉन्च के साथ, उपभोक्ता मोबाइल नेटवर्क की उम्मीद कर रहे हैं, जो बहुत कम लेटेंसी के साथ उच्च बैंडविड्थ की आवश्यकता वाले अनुप्रयोगों का समर्थन करेगा। डेल टेक्नोलॉजीज इंडिया के निदेशक और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी सौरभ तिवारी ने कहा, नेटवर्क वर्कलोड तेजी से अधिक मांग कोर से किनारे तक, सभी क्षेत्रों में और जटिल हो जाएगा। नए डेल प्लेटफॉर्म, समाधान और सेवाएं अतिरिक्त रूप से नए और पहले अवास्तविक उपयोग के मामले और राजस्व के अवसर पैदा करेंगे। तिवारी ने कहा, हमारे बेयर मेटल ऑर्केस्ट्रेशन प्लेटफॉर्म ग्राहकों को विविध और चुनौतीपूर्ण परिदृश्यों में खुले नेटवर्क के बुनियादी ढांचे को तैनात करने और प्रबंधित करने के लिए एक चुस्त और लागत प्रभावी तरीका प्रदान करेंगे। ये रोमांचक समय हैं, क्योंकि हमारे ग्राहक भारत में 5जी परिदृश्य के पुनर्निर्माण में भाग लेते हैं। ओपन आरएएन (ओआरएन) जैसी नई प्रौद्योगिकियां सीएसपी को भविष्य के विकास का समर्थन करने के लिए नेटवर्क बुनियादी ढांचे को तैनात करने के लिए विकल्पों का एक व्यापक सेट दे रही हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज विश्व की सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता रैंकिंग 2021 में भारतीयों कंपनियों में अव्वल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजस्व, मुनाफे और बाजार मूल्य के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, फोर्ब्स द्वारा प्रकाशित वर्ल्ड बेस्ट एम्प्लॉयर्स रैंकिंग 2021 में भारतीय कॉरपोरेट्स में सबसे ऊपर है। फिलिप्स, सनोफी, फाइजर और इंटेल जैसे जाने-माने नामों से आगे 750 वैश्विक कॉरपोरेट्स की समग्र रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज को 52 वें स्थान पर रखा गया है। शीर्ष 100 रैंकिंग में रिलायंस के बाद अन्य भारतीय नाम आईसीआईसीआई बैंक 65वें, एचडीएफसी बैंक 77वें और एचसीएल टेक्नोलॉजीज 90वें स्थान पर हैं।रैंकिंग एक बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण पर आधारित है, जहां कर्मचारियों ने अपने नियोक्ताओं को कई बिंदुओं पर मूल्यांकन किया है। फोर्ब्स के लेख ने वैश्विक रैंकिंग की घोषणा की और एक बयान में कहा, उत्तरदाताओं को मित्रों और परिवार के लिए अपने स्वयं के नियोक्ताओं की सिफारिश करने की उनकी इच्छा को रेट करने के लिए कहा गया था। उन्हें अपने संबंधित उद्योगों में अन्य नियोक्ताओं का मूल्यांकन करने के लिए भी कहा गया था जो या तो सकारात्मक या नकारात्मक थे। प्रतिभागियों को छवि, आर्थिक पदचिह्न, प्रतिभा विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे पहलुओं पर कंपनियों को रेट करने के लिए कहा गया था। उच्चतम कुल स्कोर प्राप्त करने वाली 750 कंपनियों ने अंतिम सूची बनाई। देखभाल और सहानुभूति की भावना, जो रिलायंस द्वारा किए गए हर काम को रेखांकित करती है, को कोविड-19 महामारी द्वारा सामने लाया गया। इस कठिन समय के दौरान, रिलायंस ने सुनिश्चित किया कि कोई भी कर्मचारी वेतन में कटौती या नौकरी की चिंताओं से पीड़ित न हो और उनकी चिकित्सा आवश्यकताओं के साथ-साथ उनके पूरे परिवार के टीकाकरण का भी पूरा ध्यान रखा। रिलायंस ने यह भी सुनिश्चित किया कि कर्मचारियों के आश्रितों का भविष्य, जो दुर्भाग्य से महामारी के कारण मर गए, आर्थिक रूप से सुरक्षित रहे।

विदेशी मुद्रा भंडार वैश्विक झटकों से बचाएगा नहीं, प्रबंधन में मदद करेगा : सुब्बाराव

मुंबई, भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने कहा है कि भारत का मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार उसे किसी वैश्विक झटके से बचा नहीं सकेगा, लेकिन यह उसके बेहतर प्रबंधन में मदद करेगा। क्रिसिल रेटिंग्स द्वारा आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए सुब्बाराव ने बुधवार को कहा कि देश में यह गलत धारणा है कि मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार से भारत वैश्विक झटकों से सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा, ''हम वैश्विक झटकों से बचे नहीं रहेंगे। उनका असर यहां भी दिखेगा। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार इन झटकों के प्रबंधन में मदद करेगा। विदेशी मुद्रा भंडार दबाव से बचाता नहीं है, यह दबाव के प्रबंधन में मदद करता है।'' एक अक्टूबर, 2021 को देश का विदेशी मुद्रा भंडार 637.47 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा कि आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं में जब भी मौद्रिक नीत को सामान्य किया जाएगा, यहां से पूंजी का प्रवाह होगा। रिजर्व बैंक उस समय विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप कर विनिमय दरों का प्रबंधन कर सकेगा।

मीडिया.नेट के दिव्यांक तुराखिया 40 साल से कम उम्र के सबसे अमीर भारतीय : रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी):

मीडिया.नेट के दिव्यांक तुराखिया 40 साल से कम उम्र के सबसे अधिक अमीर भारतीय हैं। उनकी कुल संपदा (नेटवर्थ) 12,500 करोड़ रुपए है। 'आईआईएफएल वेल्थ-हुरुन इंडिया 40 एंड अंडर सेल्फ मेड रिच लिस्ट 2021' में शामिल 45 लोगों में ज्यादातर स्टार्टअप उद्यमी हैं। प्रत्येक की संपदा 1,000 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। सूची के अनुसार, ब्राउजरस्टैक के सह-संस्थापक नकुल अग्रवाल (38) और रितेश अरोड़ा (37) दोनों 12,400 करोड़ रुपये की संपदा के साथ दूसरे स्थान पर है। इस साल सूची में 31 नए उद्यमी शामिल हुए हैं। पालो आल्टो की कॉनफ्लूएंट की नेहा नारखेडे और परिवार 12,200 करोड़ रुपए की संपदा के साथ चौथे स्थान पर है। इस सूची में ओला के भाविश अग्रवाल भी हैं। उनका नेटवर्थ इस साल 15 सितंबर तक दोगुना से अधिक होकर 7,500 करोड़ रुपये हो गया। वह सूची में नौवें स्थान पर हैं। फ्लिपकार्ट के सह-संस्थापक सचिन बंसल और बिन्नी बंसल सूची में अग्रवाल से ऊपर हैं। बेंगलुरु को भारत की सिलकॉन घाटी कहा जाता है। सूची में शामिल 45 नामों में से 42 यहां से आते हैं। विभिन्न क्षेत्रों की बात की जाए, तो सूची में सॉफ्टेवयर और सेवा क्षेत्र का सबसे अधिक योगदान है। उसके बाद क्रमशः परिवहन और लॉजिस्टिक्स, मनोरंजन और वित्तीय सेवाओं का नंबर आता है।

थोक महंगाई दर में कमी, सितंबर में घटकर छह महीने के निचले स्तर 10.66 प्रतिशत पर पहुंची

(एजेंसी)।

खाद्य वस्तुओं के दाम में नरमी के चलते थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति सितंबर में घटकर 10.66 प्रतिशत पर आ गई, हालांकि इस दौरान कच्चे तेल में तेजी देखी गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति लगातार छठे महीने दहाई अंक में रही, हालांकि यह सितंबर 2021 में पिछले छह महीने में सबसे कम है। अगस्त में यह 11.39 फीसदी थी, जबकि सितंबर 2020 में महंगाई 1.32 फीसदी थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''पिछले वर्ष के इसी महीने के मुकाबले सितंबर 2021 में मुद्रास्फीति की उच्च दर मुख्य रूप से खनिज तेलों, मूल धातुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस, रसायनों और रासायनिक उत्पादों आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति में लगातार पांचवें महीने कमी हुई। इस दौरान सब्जियां सस्ती हुईं, हालांकि दलहन में तेज बनी रहीं। ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति सितंबर में 24.91 प्रतिशत थी, जो इससे पिछले महीने 26.09 प्रतिशत थी। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में सितंबर में 43.92 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो इससे पिछले महीने में 40.03 प्रतिशत थी। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति इस दौरान 11.41 प्रतिशत रही। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि अगस्त 2021 की तुलना में सितंबर 2021 में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति में क्रमिक गिरावट खाद्य पदार्थों की कीमतों में हुई भारी कमी के चलते है, जबकि कम आधार प्रभाव के चलते ईंधन और बिजली के लिए मुद्रास्फीति में कमी आई। नायर ने कहा, ''चार महीनों से लगातार नरमी के बाद हम अक्टूबर 2021 में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में वृद्धि और चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में इसके दहाई अंक में रहने की उम्मीद करते हैं। वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में इसमें फिर थोड़ी नरमी आएगी, लेकिन फिर भी इसके लगभग 10 प्रतिशत के करीब रहने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के सदस्य (एमपीसी) ऐसे समय में वृद्धि का पक्ष नहीं छोड़ते हैं, जब मुद्रास्फीति वैश्विक आपूर्ति-पक्ष के मुद्दों के चलते हो। उन्होंने कहा कि उदार मौद्रिक नीति रुख में बदलाव तभी शुरू होगा, जब मांग पक्ष का दबाव मुद्रास्फीति पर हावी होने लगेगा। आरबीआई ने पिछले सप्ताह अपनी मौद्रिक नीति में ब्याज दरों को रिकॉर्ड निचले स्तर पर बरकरार रखा था।

सीतारमण ने अमेरिकी सीईओ से की मुलाकात, भारत में निवेश करने का दिया न्योता

वाशिंगटन (एजेंसी)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वाशिंगटन डीसी में जी20 के तहत चौथी जी20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स (एफसीएमबीजी) की बैठक में भाग लिया। एफएमसीबीजी ने बुधवार को वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकास, वैश्विक कॉमन्स, कमजोर देशों को समर्थन और अंतर्राष्ट्रीय कराधान पर चर्चा की। वित्त मंत्री ने उल्लेख किया कि वसूली के लिए, सभी के लिए समान टीके सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है और समर्थन बनाए रखना, लचीलापन बनाना, उत्पादकता बढ़ाना और संरचनात्मक सुधार हमारे नीतिगत लक्ष्य होने चाहिए। जलवायु परिवर्तन पर चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए, वित्त मंत्री ने यूएनएफसीसीसी की केंद्रीयता को याद दिलाया कि जलवायु वित्त और प्रौद्योगिकी पर मौजूदा अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफलता हमारे सामूहिक प्रयासों को कमजोर करती है। वित्त मंत्री ने आगे की चर्चाओं का मार्गदर्शन करने के लिए जलवायु न्याय का समर्थन किया। सीतारमण ने दो-स्तंभ समाधान पर वक्तव्य में निर्धारित समझौते के लिए समर्थन प्रदान करने के लिए ओईसीडी की सराहना की। यह समझौता अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण से उत्पन्न होने वाली कर चुनौतियों और बेस इरोजन और प्रॉफिट शिफ्टिंग मुद्दों से निपटने में मदद करता है। बाद में, वित्त मंत्री ने यूएसआईबीसी और फॉलोसीआईआई द्वारा वाशिंगटन डीसी, यूएस में आयोजित गोलमेज सम्मेलन को भी संबोधित किया। इसमें बीमा, निजी इक्विटी, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और फार्मा क्षेत्रों के सीईओ और व्यापारिक नेताओं ने भाग लिया। व्यापार जगत के नेताओं ने भविष्य के विकास के लिए दृष्टि रखने के लिए मंत्री को धन्यवाद दिया और सरकार को कोविड-19 महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए बधाई दी और भारत में अपने निवेश को बढ़ाने में गहरी रुचि व्यक्त की। अपनी अमेरिकी यात्रा के हिस्से के रूप में, सीतारमण विभिन्न निवेश संभावनाओं का पता लगाने और भारत में पहल करने के लिए विभिन्न निगमों के प्रमुखों से भी मिल रही हैं। इसके हिस्से के रूप में, उन्होंने कर्टिस एल. बसर, मुख्य वित्तीय अधिकारी, वनकार्ली से मुलाकात की, जिसमें सीबीएम, एनएमपी में संस्थागत ढांचे के निर्माण, इन्वेस्टमेंट चार्टर की दिशा में काम और आईएफएससी, गिफ्टसिटीगुजरात में अवसरों के एक स्पेक्ट्रम जैसे व्यापार सुधारों की दिशा में वाशिंगटन डीसी सरकार की पहल का उल्लेख किया गया था। सीतारमण ने बोइंग के मुख्य रणनीति अधिकारी बी. मार्क एलन से भी मुलाकात की। चर्चा मोटे तौर पर कौशल, अनुसंधान और विकास (आर एंड डी), विनिर्माण स्वचालन, नवाचार और एयरोस्पेस सेक्टर के क्षेत्रों में हुई थी।

स्पेस पर 150 लाइव ऑडियो क्रिएटर्स को भुगतान करेगा ट्विटर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ट्विटर ने तकनीकी, वित्तीय और विपणन सहायता के साथ लगभग 150 रचनाकारों को खोज और पुरस्कृत करने के लिए अपने ऑडियो वार्तालाप प्लेटफॉर्म स्पेस पर रचनाकारों के लिए एक नए त्वरक कार्यक्रम की घोषणा की है। ट्विटर स्पेस स्पार्क कार्यक्रम तीन महीने की त्वरक पहल है।चुने गए लोगों को ट्विटर पर अपने स्पेस को बढ़ावा देने और नई ट्विटर सुविधाओं तक जल्दी पहुंच के लिए 2,500 डॉलर प्रति माह, मासिक विज्ञापन क्रेडिट में 500 डॉलर का वजीफा मिलेगा। उन्हें ट्विटर के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से भी समर्थन मिलेगा, और अच्छी तरह से प्रदर्शन करने वाले स्पेस के लिए प्राथमिकता वाले इन-ऐप खोज के अवसर भी प्रदान होंगे। ट्विटर ने एक बयान में कहा, हम उभरते हुए रचनाकारों की तलाश कर रहे हैं जो लाइव सोशल ऑडियो प्रारूप के बारे में भावुक हैं और स्पेस पर आवर्ती प्रोग्रामिंग बनाने में रुचि रखते हैं। चाहे आपके पास एक मौजूदा शो हो जिसे आप हफ्तों से होस्ट कर रहे हैं, या एक नई बातचीत जिसे आप आजमाना चाहते हैं, हम आपका समर्थन करना चाहते हैं।ट्विटर ऐसे ऑडियो क्रिएटर्स की तलाश कर रहा है जो आज दिलचस्प स्पेस की मेजबानी कर रहे हैं, या उनके पास एक नई बातचीत के लिए रचनात्मक विचार है जिसे वे लॉन्च करना चाहते हैं। आवेदन करने की आखिरी तारीख 22 अक्टूबर है। ट्विटर ने आईओएस उपयोगकर्ताओं के लिए भुगतान किए गए टिकट वाले स्थानों को भी रोल आउट करने की घोषणा की है, जहां कुछ होस्ट अपने लाइव ऑडियो फीचर पर अब टिकट वाले स्थानों तक पहुंच बेच सकते हैं।ट्विटर ने पहले कहा था कि वह टिकटेड स्पेस से क्रिएटर्स की कमाई में 3 फीसदी की कटौती करेगा। केवल-आमंत्रण ऑडियो चैट ऐप क्लबहाउस को लेते हुए, ट्विटर ने मई में अपने लाइव ऑडियो बातचीत ऐप स्पेस को उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराने की घोषणा की।

कैट ने की अमेजन के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि उत्पादों की नकल करना और खोज में हेराफेरी करना भारत के घरेलू छोटे निर्माताओं और व्यापारियों को खत्म करने के लिए एक गंभीर अपराध है, जो सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का उल्लंघन है। कैट ने कहा कि विचाराधीन समाचार ने कैट द्वारा 2019 से अमेजन और फ्लिपकार्ट के खिलाफ दोहराए गए आरोपों की पुष्टि की है। समाचार लेख ने अपने आरोपों को प्रमाणित करने के लिए अमेजन के विभिन्न आंतरिक दस्तावेजों का हवाला दिया है और इसलिए समाचार की विश्वसनीयता किसी भी संदेह से परे है।कैट ने इस मामले में लगाए गए आरोपों की तत्काल सीबीआई जांच और अमेजन द्वारा अपने कानूनी सलाहकारों के माध्यम से सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने की मांग की है, जैसा कि एक अन्य समाचार चैनल की समाचार रिपोर्ट द्वारा दावा किया गया है। इस बीच, किसी भी तरह की छेड़छाड़ को रोकने के लिए सभी प्रासंगिक सामग्री को सीबीआई द्वारा तुरंत जब्त कर लिया जाना चाहिए। सीबीआई को वैश्विक समाचारों से यह भी कहना चाहिए कि उसके पास जो भी सबूत हैं उसे जमा करें।

कैट ने कहा कि भारत अकेला ऐसा देश नहीं है जहां अमेजन कानून का उल्लंघन कर रहा है। वास्तव में, यह कई देशों द्वारा विभिन्न अपराधों के लिए प्रमुख रूप से दंडित किया जाता है, उनमें से जुलाई 2021 में यूरोपीय संघ द्वारा 886.6 मिलियन डॉलर का जुर्माना, 2020 में फ्रांस द्वारा 35 मिलियन यूरो और 2020 में यूएस ट्रेजरी विभाग द्वारा 134,523 डॉलर का जुर्माना लगाया गया है, जो स्थापित करता है कि अमेजन एक ज्ञात वैश्विक कानून अपराधी है। यह सबसे आश्चर्यजनक है कि मोदी जैसे सख्त प्रधानमंत्री होने के बावजूद, जो कानून का सम्मान करने के लिए जाने जाते हैं, संबंधित एजेंसियों और मंत्रालयों ने समय-समय पर सीएआईटी और अन्य द्वारा लगाए गए सभी विश्वसनीय आरोपों पर ध्यान दिया है।

प्रोटीन युक्त डाइट के साथ डेली वर्कआउट भी है बहुत जरूरी

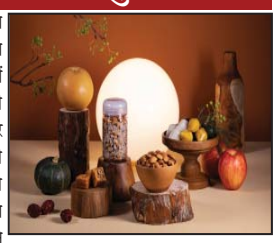

क्या आप इस चुनौती का सामना कर रहे हैं जहाँ आपका वजन स्थिर है, लेकिन कम नहीं हो रहा है चाहे आप कितना भी वर्कआउट कर रहे हों, या खाने पर नियंत्रण रखते हो या फिर अच्छी नींद ले रहे हों ? अगर ऐसा है, तो बिल्कुल चिंता न करें। हो सकता है वक्त आ गया है कि आप अपने प्रोटीन इनटेक पर फिर से विचार करने करें। हाँ, आपने सही पढ़ा। मांसपेशियों के निर्माण और वसा कम करने के लिये प्रोटीन जरूरी होता है। यह तीन मैक्रोन्यूट्रिएंट्स में से एक है, अन्य दो वसा और कार्बोहाइड्रेट हैं। प्रचुर मात्रा में प्रोटीन से युक्तच डाइट न केवल मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती है, बल्कि भूख को भी कम करती है। साथ ही प्रोटीन वजन नियंत्रित करने वाले कुछ हॉर्मोन पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। वजन घटाने और स्वस्थ शरीर के लिये प्रोटीन सबसे जरूरी पोषक तत्व है

मानव शरीर को प्रतिदिन जितनी प्रोटीन की आवश्यकता होती है, वह कई कारकों पर निर्भर करती है, जिसमें उम्र, कुल कैलोरी और शारीरिक गतिविधि का स्तर शामिल है। इन कारकों के आधार पर, प्रोटीन लेने की अनुशंसित सीमा 0.8 ग्राम/किलोग्राम और शरीर के वजन के हिसाब से 1.8 ग्राम/किलोग्राम के बीच है। हालाँकि, अपनी जरूरतों के अनुसार प्रोटीन की सही मात्रा का पता लगाने के लिये आहार विशेषज्ञ या फिजिकल ट्रेनर से सलाह लेना हमेशा ही बेहतर होता है। एक बार जब आप सही मात्रा जान लेते हैं, तो अपने प्रोटीन का इनटेक बढ़ाना आसान हो जाता है। आप इसे या तो सप्लीमेंट्स के तौर पर या विभिन्न प्रकार के संपूर्ण प्रोटीन के जरिये ले सकते हैं। यदि सम्पूर्ण प्रोटीन की बात करें तो, ऐसे कई प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ हैं जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं जैसे लीन मीट, अंडे, मछली, बादाम, दूध आदि।

पोषण की कमी को पूरा करने के लिये सप्लीमेंट लेना ठीक है, लेकिन इसमें जैविक या प्राकृतिक खाद्य पदार्थों में उपलब्ध अन्य पोषण संबंधी फायदों की कमी होती है। इसलिये, प्राकृतिक स्रोतों पर भरोसा करना हमेशा बेहतर होता है। आम धारणा के विपरीत, उन्हें आहार में शामिल करना भी बहुत आसान है। इसके अलावा, यह बोरिंग भी नहीं होता! आप अपने दिन की शुरूआत एक कटोरी फल और मुट्ठी भर बादाम के साथ कर सकते हैं, कुछ अंडे खा सकते हैं, या थोड़े ग्रिल्ड चिकन और ढेर सारी सब्जियों का सलाद बना सकते हैं। नट्स में बादाम प्रोटीन का बहुत अच्छा स्रोत हैं, एक ऐसा पोषक तत्व जो न केवल ऊर्जा देता है, बल्कि मांसपेशियों के विकास और रखरखाव में योगदान करने के लिए भी जाना जाता है।

सीमेंट उत्पादन में ईंधन के रूप में कृषि अपशिष्ट के उपयोग को बढ़ाने के लिए अल्ट्राटेक और पीआरईएसपीएल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भारत में ग्रे सीमेंट, व्हाइट सीमेंट और रेडी मिक्स कंक्रीट के सबसे बड़े उत्पादक अल्ट्राटेक सीमेंट द्वारा फॉरवर्ड इंटीग्रेटेड वैल्यू चेन के साथ भारत की सबसे बड़ी बायोमास एग्रीगेशन और डेंसिफिकेशन कंपनी पंजाब रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड। लिमिटेड (पीआरईएसपीएल) ने एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। समझौता ज्ञापन अल्ट्राटेक की कार्बन-मुक्त गतिविधियों का हिस्सा है और इसका उद्देश्य अल्ट्राटेक के निर्माण कार्यों में कोयले जैसे जीवाश्म ईंधन के बजाय बायोमास के उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि करना है।

समझौते के तहत, PRESPL कोयला आधारित प्रणालियों को बायोमास-आधारित प्रक्रियाओं से बदलने के लिए अपनी तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ उठाएगा। PRESPL अल्ट्राटेक की तीन इकाइयों में बायोमास आधारित उत्पादों को लागू करेगा। संचित, इन तीन परियोजनाओं के कार्यान्वयन से सालाना 150,000 टन से अधिक CO_2 की बचत होने का अनुमान है।

समझौते के हिस्से के रूप में, पीआरईएसपीएल कृषि कचरे की एक स्थायी आपूर्ति श्रृंखला भी बनाएगी जिसका उपयोग अल्ट्राटेक की एकीकृत इकाइयों में बायोमास ऊर्जा के रूप में किया जाएगा। यह बायोमास आधारित ईंधन मॉडल कृषि अवशेषों को सुरक्षित रूप से निपटाने में मदद करता है, जो वर्तमान में खुले खेतों में जलाए जाते हैं। इस प्रकार स्कोप 1 और स्कोप 2 स्राव को कम करने में मदद करेंगे। सीमेंट भट्टों में कृषि अवशेषों के अधिक उपयोग से किसानों की आय में भी वृद्धि होगी, साथ ही कोयले के आयात पर देश की निर्भरता कम होगी।

टी-20 विश्व कप 2021: भारत के खिलाफ पाकिस्तान को निडर होना होगा: जावेद मियादाद

कराची। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जावेद मियादाद का मानना है कि टी20 विश्व कप में 24 अक्टूबर को अगर उनके देश की टीम सितारों से सजी भारतीय टीम पर जीत दर्ज करना चाहती है तो उसे निर्भीक रवैया अपनाना होगा। भारत आईसीसी विश्व कप (50 ओवर और 20 ओवर दोनों) में कभी पाकिस्तान से पराजित नहीं हुआ। मियादाद ने कहा, ''टूर्नामेंट में लय हासिल करने के लिये भारत के खिलाफ मैच महत्वपूर्ण होगा। उनकी टीम बेहद मजबूत है और उसके पास कई शीर्ष खिलाड़ी हैं लेकिन अगर हम बिना किसी डर और दबाव के खेलते हैं और प्रत्येक अपनी तरफ से योगदान देता है तो हम उन्हें हरा सकते हैं।'' मियादाद ने कहा कि पाकिस्तान की टीम अगर सामूहिक प्रयास करती है तो टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

उन्होंने कहा, ''टी20 प्रारूप के बारे में लोगों का मानना है कि एक या दो खिलाड़ी मैच जिता सकते हैं लेकिन मैं इसे इस तरह से देखता हूं कि इस प्रारूप में सभी को किसी न किसी तरह से योगदान देने की जरूरत है ताकि टीम जीत सके।'' मियादाद ने कहा कि पाकिस्तान केवल अच्छी फॉर्म में चल रहे बाबर आजम पर ही निर्भर नहीं रह सकता है। उन्होंने कहा, ''इस प्रारूप में 20 रन की छोटी पारी या एक महत्वपूर्ण कैच या रन आउट या एक अच्छा ओवर मैच जिता सकता है इसलिए हर किसी को योगदान देना होगा। इस प्रारूप में टीम का सामूहिक प्रयास जरूरी है।'' मियादाद ने इसके साथ ही कहा कि टी20 प्रारूप केवल चौके और छक्के जड़ने तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, ''आपको हर समय लप्पेबाजी करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। यह सही गेंद का इंतजार करने और अपनी रणनीति पर अमल करने से जुड़ा है।

विश्व कप में मुकाबले से पहले पाक कप्तान बाबर आजम बोले- हमारा ध्यान भारत को हराकर लय हासिल करने पर है

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप का आगाज 17 अक्टूबर से हो रहा है। सभी टीम अपनी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने की कोशिश में है। पाकिस्तान क्रिकेट भी आगामी टी20 विश्व कप कब के लिए अपनी तैयारियां कर रही है। पाकिस्तान का पहला मुकाबला 24 अक्टूबर को भारत के खिलाफ खेला जाएगा। जाहिर सी बात है कि इस मुकाबले की प्रतीक्षा दर्शक लगातार कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान चिर प्रतिद्वंदी हैं। ऐसे में दोनों देशों के बीच मुकाबला भी काफी दिलचस्प रहता है। भारतीय टीम जहां विराट कोहली की अगुवाई में उतरेगी तो वहीं पाकिस्तान की कमान बाबर आजम के हाथों में होगी।

भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि हमें दबाव का पता है। उम्मीद है हम यह मैच जीत कर सय बनाएंगे। टूर्नामेंट से पहले एक इकाई के रूप में आपका आत्मविश्वास मायने रखता है। हमारा आत्मविश्वास और मनोबल ऊंचा है। हम अतीत के बारे में नहीं बल्कि भविष्य के बारे में सोच रहे हैं और उसकी तैयारी कर रहे हैं। आजम ने कहा कि हम पिछले तीन साल से यूएई में क्रिकेट खेल रहे हैं और यहां के हालात से बखूबी वाकिफ हैं। उन्होंने कहा कि हमें पता है कि विकेट कैसी होंगी और बल्लेबाज को क्या सामंजस्य बिठाने होंगे। मैच के दिन बेहतर खेलने वाली टीम ही जीतेगी। मुझे लगता है कि हम जीतेंगे।

लाहौर में श्रीलंकाई टीम पर 2009 में हुए आतंकी हमले के बाद से सुरक्षा कारणों से टीमें पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार करती आई है। पाकिस्तान ने अधिकांश क्रिकेट यूएई में ही खेली है। पाकिस्तान ने वनडे या टी20 विश्व कप में कभी भारत को नहीं हराया लेकिन आजम ने कहा कि वह अतीत की बात है। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है।हमें सीनियर खिलाड़ियों से काफी कुछ सीखना है जो विश्व कप पहले भी खेल चुके हैं। आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को पाकिस्तान का बल्लेबाजी सलाहकार और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज वेर्नोन फिलैंडर को गेंदबाजी सलाहकार बनाया गया है। आजम ने कहा कि हेडन और फिलैंडर के पास काफी अनुभव है। हम उनसे सीखने की कोशिश करेंगे। हमारे खिलाड़ी तेजी से सीखने में माहिर हैं।

आईपीएल 2021: वाटसन ने हेजलवुड और मैकग्रा के बीच तुलना की

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर शेन वॉटसन ने चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा के बीच तुलना की है। उन्होंने बताया कि नियंत्रण और सटीकता के मामले में दोनों के बीच काफी समानताएं हैं। वॉटसन ने स्टार स्पोर्ट्स सेलेक्ट डगआउट में कहा, हेजलवुड में मुझे जो चीज पसंद है, वह यह है कि उनकी उंगलियों से निकलने वाली गेंद पर उनका नियंत्रण है, और यही मैक्ग्रा के समान बनाता है। जो नियंत्रण मैकग्रा कि गेंदबाजी में तब हुआ करती थी जोश के पास यह छोटी उम्र से है , इसलिए मैने दोनों की तुलना की। हेजलवुड ने आईपीएल 2021 में चेन्नई के लिए नौ मैचों में 8.51 की इकॉनमी रेट से आठ विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए 17 टी20 में हेजलवुड ने 7.98 की इकॉनमी रेट से 21 विकेट लिए हैं। आईपीएल 2021 के फाइनल के बाद हेजलवुड टी 20 विश्व कप के लिए अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ेंगे।

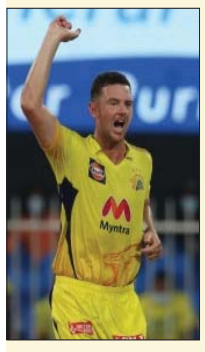

आईपीएल 2021 : फाइनल मुकाबले से पहले सीएसके ने केकेआर को दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चेन्नई सुपर किंग्स 15 अक्टूबर को कोलकाता नाइट राइडर्स से शाम साढ़े सात बजे दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में फाइनल मुकाबला खेलेगी. टीम की तैयारी जोरों से चल रही है. चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने ट्वीटर हैंडल पर दीपक चाहर और ड्वेन ब्रावो की एक तस्वीर प्रैक्टिस करते हुए शेयर की है. इस तस्वीर में ड्वेन ब्रावो बल्ला लेकर हंसते हुए दिखाई दे रहें हैं, जबकि दूसरी ओर दीपक चाहर उनको गेंद दिखा रहे हैं. चेन्नई सुपर किंग्स ने इस तस्वीर को ट्वीट कर ऐलान कर दिया है कि वह चौथी बार आईपीएल ट्रॉफी उठाने वाली है. इस तस्वीर पर चेन्नई ने कैप्शन दिया है कि डीईजे एना पेसर-अंगा.

दीपक चाहर ने आईपीएल के इस सीज़न में 13 मुकाबला खेला है. इस दौरान उन्होने 13 विकेट अपने नाम किया है. वहीं ड्वेन ब्रावो ने इस सीजन में 10 मैच खेला है. इस दौरान उनके बल्ले से 47 रन निकले हैं. जबकि 13 विकेट अपने नाम किया है. चेन्नई के सामने कोलकाता की चुनौती होगी. कोलकाता नाइट राइडर्स से चेन्नई को बच कर भी रहना पड़ेगा. इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई को एक बार आईपीएल फाइनल में मात दे चुकी है. इन सब के बीच अगर दोनों टीमों के ऑकड़ों की बात करें तो, चेन्नई की टीम कोलकाता से मजबूत है. चेन्नई और कोलकाता की टीम आईपीएल में अब तक 27 बार आमने-सामने हो चुकी हैं. इसमें चेन्नई की टीम ने 17 मुकाबला अपने नाम किया है. जबकि कोलकाता सिर्फ नौ मैच जीतने में कामयाब हुई है.

दोनों टीमों के खिलाड़ियों की बात करें तो दोनों टीमों के ओपनर बल्लेबाजों ने अपनी-अपनी टीम के लिए बड़ी भूमिका निभाई है. चेन्नई के ओपनर बल्लेबाजों की बात करें तो फॉफ डु प्लेसिसि और रुतुराज गायकवाड़ ने टीम को इस सीजन में अच्छी शुरुआत दी है. डु प्लेसिस ने आईपीएल के इस सीजन में 546 रन बनाया है. जबकि गायकवाड़ के बल्ले से इस सीजन में 603 रन निकला है.

बात करें कोलकाता की तो कोलकाता के ओपनर ने भी इस सीजन में अपनी टीम को शानदार शुरुआत दिया है. कोलकाता की तरफ से शुभमन गिल और वेंकटेश अय्यर ने अच्छी बल्लेबाजी की है. आईपीएल के इस सीजन में गिल के बल्ले से 427 रन निकलें हैं. जबकि वेंकटेश अय्यर के बल्ले से आईपीएल के इस सीजन में 320 रन निकला है. दोनों टीमों की ओपनिंग बल्लेबाजी ही कल के मैच निर्णय तय करेंगी.

चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक मानी जाती है. टीम 3 बार आईपीएल विजेता हो चुकी है. साल 2010,2011 और 2018 में चेन्नई चैंपियन बनीं है. इसके साथ ही आईपीएल के नौ सीजन में फाइनल खेल चुकी है. वहीं कोलकाता की बात करें तो कोलकाता भी दो बार आईपीएल चैंपियन बनी है. साल 2012 में कोलकाता चेन्नई को हराकर आईपीएल चैंपियन बनी. वहीं साल 2014 में कोलकाता किंग्स इलेवन पंजाब को हराकर आईपीएल चैंपिन बनी है.

दोनों टीमें एक बार फिर चैंपियन बनने के करीब खड़ी हैं. देखना है कौन बाजी मारता है.

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान फिंच भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप अभ्यास मैच में उपलब्ध रहेंगे

दुबई। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच अगस्त में हुई घुटने की सर्जरी से समय से पहले ही उबर गये हैं जिससे वह 20 अक्टूबर को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप अभ्यास मैच के लिये उपलब्ध रहेंगे। शुरू में फिंच की आस्ट्रेलिया के न्यूजीलैंड (18 अक्टूबर) और भारत (20 अक्टूबर) के खिलाफ दो अभ्यास मैचों में उपलब्धता पर संशय जताया जा रहा था। उन्होंने गुरूवार को टूर्नामेंट से पूर्व वर्चुअल कांफ्रेंस में कहा, ''हां, यह (घुटना) ठीक है। मुझे लगता है कि सर्जरी के बाद कल इसे नौ हफ्ते हो जायेंगे। इसलिये सब कुछ ठीक से चल रहा है। यह निर्धारित समय से शायद दो हफ्ते पहले ही है। ''

फिंच ने दोहराया कि डेविड वार्नर टी20 विश्व कप के लिये तैयार होंगे जिन्हें खराब फार्म के कारण इंडियन प्रीमियर लीग के यूएई चरण के आखिर में सनराइजर्स हैदराबाद ने अंतिम एकादश से बाहर कर दिया था। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि पिछले कई वर्षों में हमने वार्नर को दुनियाभर की टीमों के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए देखा है, वह काफी बेहतर खिलाड़ी है। मुझे उसकी तैयारियों को लेकर कोई परेशानी नहीं है। '' आस्ट्रेलियाई टीम 23 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना टी20 विश्व कप अभियान शुरू करेगी।

विदेशी नहीं बल्कि भारतीय होगा टीम इंडिया का नया कोच, रेस में यह तीन खिलाड़ी सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टीम इंडिया इस वक्त टी20 विश्वकप की तैयारियों में जुटी हुई है। कोच रवि शास्त्री के नेतृत्व में टीम इंडिया टी20 विश्व कप की तैयारी कर रही है। हालांकि रवि शास्त्री का कार्यकाल टी-20 विश्वकप के बाद खत्म हो रहा है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि आखिर रवि शास्त्री के बाद टीम इंडिया का अगला कोच कौन होगा? यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि अपना कार्यकाल बढ़ाने के मूड में रवि शास्त्री नहीं हैं और साथ ही साथ बीसीसीआई द्वारा कोच के लिए तय मानक पर अब वह फिट भी नहीं बैठ रहे हैं। बीसीसीआई ने नए कोच की तलाश शुरू कर दी है। कई नाम को लेकर लगातार चर्चा चल रही है जिसमें श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने, दिग्गज कोच टॉम मूडी, माइक हेसन, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले जैसे नाम शामिल हैं।

इन सबके बीच पुष्ट सूत्रों की माने तो बीसीसीआई विदेशी कोच के पक्ष में नहीं है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई नए कोच के लिए आवेदन मंगा सकता है। लेकिन नए कोच की जिम्मेदारी किसी भारतीय को ही सौंपी जाएगी। खबर यह भी थी कि बीसीसीआई की ओर से अनिल कुंबले को एक बार फिर से कोच बनने का प्रस्ताव भेजा गया था। लेकिन फिलहाल वह टीम इंडिया के कोच की भूमिका निभाने को तैयार नहीं हैं। टीम इंडिया के कोच की रेस में पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग और दिग्गज गेंदबाज जहीर खान भी शामिल हैं। इन दोनों के अलावा वीवीएस लक्ष्मण भी कोच की रेस में हैं।

फिलहाल वीरेंद्र सहवाग अपनी क्रिकेट एकेडमी चला रहे हैं। इसके अलावा जहीर खान मुंबई इंडियंस से जुड़े हुए हैं। अनिल कुंबले के पास इस वक्त पंजाब किंग्स की कोच की जिम्मेदारी है। हालांकि बीसीसीआई मानता है कि नया कोच भारतीय होगा जिससे कि मैनेजमेंट के साथ उसकी ट्यूनिंग अच्छी रह सके। आईपीएल के सफल को रिकी पोंटिंग और महेला जयवर्धने फिलहाल टीम इंडिया के कोच बनने के लिए इच्छुक नहीं हैं। रिकी पोंटिंग जहां दिल्ली कैपिटल्स के कोच हैं तो वही जयवर्धने मुंबई के हैं।

वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ भी टीम इंडिया के कोच की रेस में हैं। इन दोनों खिलाड़ियों के पास लंबा अनुभव है तथा युवाओं को निखारने में इन दोनों खिलाड़ियों को महारत हासिल है। राहुल द्रविड़ एनसीए के डायरेक्टर भी हैं। हालांकि बताया जा रहा है कि वह कोच बनने के लिए इक्छुक नहीं है। वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग और जहीर खान से बीसीसीआई संपर्क करने की कोशिश में है। यह तीन नाम फिलहाल रेस में सबसे आगे हैं। वीवीएस लक्ष्मण सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़े हुए हैं।

टेनिस: मेदवेदेव को हराकर इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे दिमितत्रोव

इंडियन वेल्स (एजेंसी)।

बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने उलटफेर करते हुए टॉप सीड रूस के डेनिल मेदवेदेव को हराकर यहां जारी परिबास ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। 23वीं सीड के खिलाड़ी दिमित्रोव ने मेदवेदव को 4-6, 6-4, 6-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहली बार जगह बनाई। दिमित्रोव की यह आठवीं लगातार जीत है।

दिमित्रोव का अगला मुकाबला आठवी सीड हुबर्ट हुरकाज के साथ होगा जिन्होंने रूस के असलान कारात्सेव को 6-1, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। 2016 से यह पहली बार है जब दिमितत्रोव ने शीर्ष दो खिलाड़ियों को पछाड़ा है। इससे पहले उन्होंने मियामी ओपन में ब्रिटेन के एंडी मरे को हराया था। इसके साथ ही विश्व के 28वें नंबर के खिलाड़ी दिमितत्रोव ने मेदवेदेव के खिलाफ एटीपी हेड टू हेड रिकॉर्ड 2-3 कर लिया है। दिमितत्रोव इस सीजन में पहली बार एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। वह आठ बार के टूर लेवल चैंपियन् हैं। इसी बीच, ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास ने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनोर को तीन सेटों तक चले मुकाबले में 6-7(3), 7-6(3), 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

आईपीएल ने कार्तिक को आचार संहिता के उल्लंघन पर फटकार लगाई

दुबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने कोलकाता नाइट राइडर्स के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को शारजाह में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपनी टीम के क्वालीफायर-2 मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए फटकार लगाई है। आईपीएल ने एक बयान में कहा कि कार्तिक पर आईपीएल की आचार संहिता के लेवल 1 की धारा 2.2 के उल्लंघन का आरोप है।लेवल 1 की धारा 2.2 मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़ों, ग्राउंड उपकरण या फिक्स्चर और फिटिंग का दुरुपयोग से संबंधित है। आईपीएल के बयान के मुताबिक, कार्तिक ने अपना अपराध और सजा को स्वीकार कर लिया। आईपीएल ने बयान में कहा, कोलकाता नाइट राइडर्स के विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक को बुधवार 13 अक्टूबर 2021 को शारजाह में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपनी टीम के क्वालीफायर-2 के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है। बयान में कहा, कार्तिक ने आईपीएल की आचार संहिता के लेवल 1 अपराध 2.2 को स्वीकार किया और मंजूरी स्वीकार कर ली।

दिव्या देशमुख महिला ग्रैंडमास्टर बनी

चेन्नई। पंद्रह वर्ष की दिव्या देशमुख बुडापेस्ट में फर्स्ट सेटरडे ग्रैंडमास्टर शतरंज टूर्नामेंट के दौरान भारत की नयी महिला ग्रैंडमास्टर बन गई। महाराष्ट्र की इस खिलाड़ी ने ट्वीट किया ,'' दूसरा अंतरराष्ट्रीय मास्टर नॉर्म और आखिरी महिला ग्रैंडमास्टर नॉर्म पूरा कर लिया। आगामी टूर्नामेंटों में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।'' उन्होंने नौ राउंड में पांच अंक बनाये और 2452 रेटिंग अंक हासिल किये।अब वह अंतरराष्ट्रीय मास्टर बनने से एक नॉर्म दूर है।

टीम इंडिया की नई जर्सी बुर्ज खलीफा पर छाई

दुबई। भारतीय टीम की नई जर्सी लॉन्च होने के कुछ घंटे बाद ही यहां प्रसिद्ध बुर्ज खलीफा पर छा गई। भारतीय क्रिकेट टीम की आधिकारिक किट प्रायोजक एमपीएल स्पोर्टस ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें बुधवार की रात बुर्ज खलीफा पर नई जर्सी लाइट शो के दौरान छाई रही। एमपीएल स्पोर्टस ने ट्वीट कर कहा, पहली बार टीम इंडिया की जर्सी बुर्ज खलीफा में छाई। अरबों प्रशंसकों से प्रेरित बिलियन चियर्स जर्सी नई ऊंचाईयों पर पहुंच गई। भारतीय क्रिकेट कट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी ट्विटर पर वीडियो शेयर किया और कहा, प्रसिद्ध बुर्ज खलीफा पर टीम इंडिया की विश्व कप जर्सी का अनावरण और बड़ा हो गया। इस ऐतिहासिक पल को यहां देखें। यूएई में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए नई जर्सी का अनावरण किया गया है। लाइट शो के दौरान कप्तान विराट कोहली, उपकप्तान रोहित शर्मा, लोकेश राहुल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह की फोटो नजर आई। भारत टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत सुपर-12 के ग्रुप-2 में 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले मुकाबले से करेगा।

ब्राजील के डिफेंडर मिलिटाओ हुए उरुग्वे के खिलाफ 2022 विश्व कप क्वालीफायर से बाहर

रियो डी जेनेरो। ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने कहा है कि सेंट्रल डिफेंडर एडेर मिलिटाओ उरुग्वे के खिलाफ 2022 विश्व कप क्वालीफायर से मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर हो गए हैं।

23 वर्षीय डिफेंडर को रविवार को बैरेंक्विला में कोलंबिया के साथ ब्राजील के गोल रहित ड्रॉ के दूसरे हाफ में चोट लगी थी।अपने आधिकारिक वेबसाइट पर एक बयान में, सीबीएफ ने कहा कि स्कैन से पता चलता है कि रियल मैड्रिड सेंटर-बैक मनौस में एरिना दा अमेजोनिया में गुरुवार के मुकाबले के लिए समय पर फिट नहीं होंगे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मिल्टाओ की अनुपस्थिति से चेल्सी के दिग्गज थियागो सिल्वा और पेरिस सेंट-जर्मेन के मार्क्विनहोस ब्राजील के डिफेंस का जिम्मा उठाएंगे। क्वालीफाइंग दौर के अंत में शीर्ष चार टीमें कतर में 2022 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी जबकि पांचवीं टीम प्लेऑफ में जगह बनाएगी।

सूरत भूमि, सूरत। अधिकारी अपनी पदोन्नती के लिए बड़े पूंजीपतियों की अवैध बिल्डींग की तरफ देखते भी नहीं क्योंकि कुछ ऐसे भी पूंजीपति होते जो सीधा सांसदों और विधायको से संबंधित होते हैं। अगर उनके विकास कार्य में अधिकारी बाधा बने तो बर्खास्त हो सकते हैं। जिस कारण अधिकारी भी ऐसे पूंजीपति के सामने सर झूका कर अपनी पदोन्नती करा लेते हैं। यही उनके जिन्दगी की सबसे बड़ी कामयाबी होती हैं। यह सबसे बड़ा प्रश्नचिन्ह हैं कि लिंबायत जोन के डिंडोली विस्तार में मेन रोड ओवरब्रीज के पास बनी यह बाबा मेमोरीयल होस्पीटल की जमीन का ना ही टाईटल क्लीयर हैं ना ही प्लान पास हैं फिर महानगर पालिका मुंबई एक्ट की धमकी देकर गरीबों के छोटे मोटे मकान को तोड़ दिया जाता हैं लेकिन ऐसे बड़े पूंजीपतियों द्वारा स्थापित बिल्डींग को देखने की हिम्मत भी नहीं करते क्या संविधान सिर्फ गरीबों के लिए हैं । बिल्डींग अवैध हैं इस बात का प्रमाण समाजसेवी अरजदारें को क्यों देना पड़ता हैं मनपा के अधिकारी गांधी जी को तीन बंदर क्यों बन बैठे हैं?

सूरत भूमि, सूरत। नारायण की महिमा से नारायण नगर में चल रहा अवैध बांधकाम। हर गैरकायदेसर बांधकाम का वहीवट करने वाला व्यक्ति अधिकारीयों द्वारा चयन किया जाता हैं। महानगर पालिका लिंबायत जोन कचेरी के पीछे जोन ऑफिस के नजदिक में चल रहा यह बांधकाम अधिकारीयों को दिखाई नहीं देता या अधिकारी अंधे और बेशर्म हो चुके हैं। देखना हैं इतने के बावजूद भी अधिकारीयों द्वारा कार्यवाही कि जाती हैं या नहीं ? यह सबसे बड़ा सवालिया निशान हैं जोन के कर्मचारीयों पर।

पावागढ़ में २ लाख भक्तों की भीड़ का विडियो वायरल हुआ

पंचमहाल।

आज ९वीं नवरात्रि है । अब आज के दिन माता सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना की जाती है । आज के दिन मां को हृदय से मां को याद किया जाए तो जगत की सभी सिद्धियों के द्वार खुल जाते है । माता सिद्धिदात्री कमल या सिंह पर सवार होती है । अलौकिक मुखकांति वाले माता का दर्शन पावनकारी है। माता के चार हाथ है। जिसमें चक्र गदा शंख और कमल है । माता सिद्धिदात्री पार्वती का एक रूप है । माता का भजन करने से साधक को सभी सिद्धि प्राप्त होती है । अब ऐसे में शक्तिपीठ पावागढ़ का विडियो सोशल मीडिया में भारी वायरल हुआ है । जिसमें भारी भीड़ देख सकते है । पावागढ़ निज मंदिर निकट ऊंचाई से उतरे एक

विडियो हाल सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है । यह विडियो में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है । हजारों की संख्या में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है । मां शक्ति की आराधना और भक्ति में लोग कोरोना को भूल गये है । पावागढ़ के निज मंदिर निकट के सीढ़ी से नीचे तरफ भारी भीड़ देखने को मिल रही है । गत दिन आसो सुद आठम के मौके पर पावागढ़ मां काली के भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है । आठम के दिन करीब २ लाख से ज्यादा भक्तों ने मां महाकाली के दर्शन किए थे ।

डिंडोली में मकवाने परिवार द्वारा महाचक्र पुजा और माताजी की शोभा यात्रा का आयोजन किया गया

सूरत भूमि, सूरत । सूरत के डिंडोली में महादेव नगर में मकवाने परिवार द्वारा महाचक्र पुजा का आयोजन किया गया था । जिसमे दि.13/10/2021 बुधवार के दिन सुबह 07:00 बजे प्लाट नं-637 महादेव नगर -1 डिंडोली में चक्रपुजा और शोभा यात्रा निकाली गई थी। जिसमे बड़ी मात्रा में भाविक भक्त जुड़े थे।

सूरत में वाहन चोरी करती गैंग के ३ साथी गिरफ्तार हुए

अहमदाबाद।

सूरत में रात के दौरान फिर से खुले लॉक स्टीयरिंगवाला वाहनों को निशाना बनाती गैंग के ३ साथियों को अठवा पुलिस ने गिरफ्तार किया है । जिनके पास से पुलिस ने ९ चोरी के वाहनों को जब्त किया। यह चोरी के वाहन यह गैंग के लोग अन्य को सस्ती कीमत पर बेच देते थे। मिली जानकारी के अनुसार, सूरत शहर के अठवा पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में रात के दौरान वाहन चोरी की शिकायतों में वृद्धि होने पर पुलिस सक्रिय हो गई थी । यह मामले में पुलिस ने जांच करने पर अठवा पुलिस को जानकारी मिली थी कि रात के दौरान वाहनों की चोरी करने वाली गैंग हाल चोरी किए वाहन बेचने के लिए घूम रहे है । यह जानकारी के आधार पर पुलिस ने निगरानी करके दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया । जिनकी पूछताछ करने पर उसने अपना नाम आसिफ साह और मोहमद साह बताया। गैंग के यह दोनों आरोपी रात के दौरान सूरत के कई क्षेत्रों में घूमते थे । जहां कोई गाड़ी की स्टीयरिंग लॉक खुला दिखाई दे ऐसे वाहनों को वह टार्गेट बनाते थे । ऐसे वाहनों की चोरी करके फरार हो जाते थे । वह शुरूआत में सोसाइटी में वाहन को धक्का मारकर ले जाते और बाद में वाहन का लॉक तोड़कर फरार हो जाते थे । दोनों आरोपियों ने चोरी के वाहन मोहंमद तबरेज को सस्ती कीमत पर बेच देते होने की कबूलात की थी । जिसकी वजह से पुलिस ने बाद में मोहमद तबरेज की भी गिरफ्तारी की है । इसके पास से चोरी के ९ वाहन ज ब्त करके १० अपराधों की गुत्थी सुलझाई गई थी । यह गैंग के साथियों ने अठवा पुलिस स्टेशन के ५, उधना, सलाबतपुरा, महिधरपुरा, खटोदरा मिलाकर कुल १० चोरी करने की कबूलात की थी । फिलहाल पुलिस ने इस मामले में तीनों को कोर्ट में पेश करके रिमांड की कार्रवाई शुरू की थी यह अठवा पुलिस स्टेशन के पीआई डीएस कोराट ने बताया।

नवमी पर माँ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, भक्ति भाव में डूबे भक्तजन

सूरत भूमि, सूरत। नवमी के दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्टना की जाती हैं। मां सिद्धिदात्री की कृपा से ही सिद्धियों को प्राप्त किया था। सिद्धिदात्री माता कमल पर बैठी रहती हैं। माता के इस रूप की पूजा मानव ही नहीं बल्कि सिद्ध, गंधर्व, यक्ष, देवता और असुर भी करते हैं। संसार में सभी वस्तुओं को आसान और सही तरीके से प्राप्त करने के लिए नवरात्रि के नवमी के दिन सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है।

गणेश नव दुर्गा उत्सव समिति द्वारा ९ दिन मां अंबे की पूजा अर्चना एवं आरती की जाती है आज नौवां दिन की आरती सूरत महानगर पालिका के शासक पक्ष नेता अमित सिंह राजपूत एवं भाजपा नेता शैलेश सिंह राजपूत, हरकेश सिंह राजपूत, धर्मात्मा त्रिपाठी के द्वारा की गई। विजय पांडे, शंकर दुबे सभी अग्रणी यों ने मिलकर मां की आरती की और जयकारे लगाएय। दुर्गेश पांडे, प्रमोद तिवारी, संजय तिवारी, सुजीत मिश्रा, राजेश दुबे, चंद्र प्रकाश झा, सुनील शुक्ला, गिरिजा शंकर गुप्ता, रामकृपाल शुक्ला, राजभर राय, राजेश मिश्रा , पवन पांडे, श्रीकांत तिवारी, राजकुमार दुबे, महेश तिवारी, विकास सिंह,भाजपा युवा नेता अंकित पांडे, गोलू श्रीवास्तव, सूरज भाई भी उपस्थित रहे।

सूरत भूमि, सूरत। सुरेश नगर सोसाइटी मानसरोवर पानी की टंकी के पास दादा के मंदिर किन्नर समाज द्वारा दशहरे का कार्यक्रम रखा गया था। जिसमें एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट और किन्नर समाज गुजरात प्रदेश प्रमुख सीताबेन कुंवर, सेलिना कुंवर, गीता कुंवर, अर्चना कुंवर, गंगा कुंवर, समीरा कुंवर, और ट्रस्ट के प्रमुख जहीर खान पठान, एजाज भाई, सैयद रफीक और अविनाश यादव उपस्थित थे।

आज एयर इंडिया की फ्लाइट भुज से जुहू की उड़ान भरेगा

कच्छ।

८९ वर्ष पहले १५ अक्टूबर १९३२ को टाटा कंपनी के जनक ज `आरडी टाटा ने टाटा एयर सर्विस की प्रथम फ्लाइट करांची से जुहू का प्रारंभ किया था । यह ऐतिहासिक घटना का पुनरावर्तन अब फिर होगा। दो महासागर पार करने वाली आरोही पंडित १५ अक्टूबर को एयर इंडिया का एयरक्राफ्ट की भुज से जुहू की उड़ान भरेगी । जेआरडी टाटा को श्रद्धांजलि देने के लिए दो महासागर प्लेन द्वारा पार करने वाली विश्व की प्रथम महिला पायलोट आरोही पंडित सोमवार को भूज पहुंच गई है । अब भुज निकट के माधापर के पाट हनुमानजी मंदिर में उनका ट्रस्टीगण द्वारा विशेष सम्मान किया गया। इस मौके पर आरोही ने सभी का आभार व्यक्त करके माताजी की मूर्ति की आरती करके सफलता की कामना की थी। जिला केंद्र भुज के पास स्थित माधापर गांव के पाट हनुमानजी मंदिर में चल रही नवरात्रि महोत्सव के मौके पर उपस्थित आरोही पंडित के द्वारा मां अंबे की आरती की गई थी । उनके साथ माधापर की १९७१ के युद्ध में एयरस्ट्रीप तैयार करने वाली कई विरांगना भी शामिल हुई थी। जिन्होंने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान कोरोना योद्धा के तौर पर ड्यूटी की थी। आरती के बाद पाट हनुमानजी मंदिर संस्था के ट्रस्टी प्रवीणभाई खोखाणी द्वारा आरोही पंडित का विशेष सम्मान किया गया । उपस्थित बहनों बुजुर्ग लोगों को अभिनंदन के साथ आगामी एयर ट्रीप के लिए उनको शुभकामना दी गई थी । दो महासागर पार करने वाली विश्व की प्रथम महिला पायलोट आरोही पंडित आगामी १५ अक्टूबर को भुज से जुहू के लिए उड़ान भरेगी । माधापर के धार्मिक प्रसंग पर उपस्थित रही आरोही पंडित ने अपने सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त करके बताया है कि, २०१७ में उन्होंने प्लेन उड़ाना सीखा और आगे जाते मुझे दो महासागर को पार करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ऐसा ही सौभाग्य फिर से मुझे मिल रहा है जिसमें पाकिस्तान के साथ युद्ध के समय हमारे एयरफ्रेस को मददरूप होने वाली विरांगनाओं का मेरे द्वारा सम्मान होगा।

लोगों का अकाउंट हैक करके ऑनलाइन खरीदी कर लेते

अहमदाबाद।

यदि आप ऑनलाइन शॉपिंग करते है तो यह न्यूज विशेष देखना । अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन शॉपिंग घोटाले का पर्दाफाश किया गया है । साइबर क्राइम की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, दोनों आरोपी ऑनलाइन शॉपिंग करने वाले ग्राहकों के ऑर्डर बाहर ही बाहर ले लेते थे । गौतम उर्फ पृथ्वी बारड, निलेश बाबरीया दोनों युवकों की धोखाधड़ी करने से पहले पबजी गेम खेलने के दौरान मुलाकात हुई थी । ऐसे तो दोनों आरोपियों ने कुछ विशेष पढ़ाई नहीं किया है फिर भी मास्टर माइंड है । टेलिग्राम से सभी लोगों के डेटा लेकर अकाउंट हैक करके धोखाधड़ी करता । गिरफ्तार हुए दोनों आरोपी फ्लिपकार्ट, मंत्रा, ब्रांड फैक्ट्री, टाटा क्लिक जैसी दूसरी वेबसाइट के ग्राहकों के ऑनलाइन डिलिवरी किए ऑर्डर को हैक करके पता बदलकर किसी भी तरीके से ले लेते थे । दोनों आरोपियों ने टेलीग्राम से यह सभी डेटा लेकर शिकार होने वाले यूजर द्वारा इसे हैक करके यह सभी घोटाला किए जाने का सामने आया है । आरोपियों ने हैकिंग करने के लिए प्रोक्षी आईपी. एड्रैस का उपयोग करते होने का पुलिस जांच में सामने आया है । आरोपियों ने इसके अलावा प्लेटफॉर्म में भी डेटा हैक करके बिना खर्च से ऑनलाइन प्लेटफार्म का लाभ लेते थे। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने टेलीग्राम एप्लीकेशन पर से एक हैकिंग टूल डाउनलोड करते थे और इसके आधार पर ग्राहकों के आईपी. ब्लोक नहीं हो ध्यान रखकर घोटाले करते थे । इस मामले में साइबर क्राइम डीसीपी अमित वसावा ने बताया है कि, पुलिस को प्राथमिक जांच में जानकारी मिली है कि सिर्फ गुज रात में ही नहीं लेकिन पूरे देश के ग्राहकों के ऑर्डर लेकर घोटाले करते थे। पिछले एक वर्ष में कई लोगों के डेटा हैक करके उनके अकाउंट और टार्गेट किया था। उल्लेखनीय है कि आरोपियों ने ऑर्डर कोई घर या ऑफिस की जगह पर नहीं लेकिन रोड पर ही ऑर्डर की डिलिवरी लेते थे । अभी तक में दोनों आरोपियों ने १ हजार से ज्यादा लोगों के

साथ धोखाधड़ी किए जाने का सामने आया है। साइबर क्राइम ९२ प्रॉडक्ट रिकवर की है। जि सकी कीमत ८.९९ लाख के करीब हो रही है । आरोपियों ने पश्चिम बंगाल से एक फज र्ी सिमकार्ड लाये थे, जो सिम कार्ड सिर्फ ऑर्डर की डिलिवरी के लिए आधे घंटे चालू रखकर बंद कर देते थे। जिसकी वजह से पुलिस उनको ट्रेक नहीं कर सके । आरोपी विशेष करके एडवांस पेमेन्ट करके ऑर्डर करते थे, ऐसे ग्राहकों को टार्गेट करते थे । यह गैंग में अन्य लोग भी शामिल हो सकते है क्योंकि यह देशव्यापी घोटाला दिखाई दे रहा है जिसकी वजह से अन्य लोगों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई भी शुरू की गई है इसके साथ -साथ आरोपियों ने किसे -किसे माल बेचा है इसकी भी पुलिस जांच कर रही है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)